चैत्र कृष्ण पक्ष त्रयोदशी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 270 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

28 मार्च 2025 शुक्रवार

आज का मौसम

38 अधिकतम

22 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

## दो दिन से एनकाउंटर जारी, तीन आतंकी ढेर, तीन जवान भी शहीद

**श्रीनगर, एजेंसी**

जम्मू- कश्मीर में कठुआ जिले के राजबाग में कल से चल रहे एनकाउंटर में 3 आतंकी मारे गए हैं। गोलीबारी में सुरक्षाबलों के तीन जवान भी शहीद हुए हैं। ये जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के जवान हैं। कल ये जवान घायल हुए थे, आज इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शहीद जवानों में तारिक अहमद, जसवंत सिंह, बलविंदर सिंह शामिल हैं। इन्हें जम्मू मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। इन जवानों को पेट में गोली लगी थी। जबकि अभी डीएसपी धीरज सिंह समेत 4 अन्य घायलों का इलाज उधमपुर में सेना के अस्पताल में चल रहा है। खबरों के मुताबिक जुथाना इलाके के जखोले गांव में सुरक्षाबलों को करीब 9 आतंकवादियों के छिपे होने की खबर थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेरने के लिए जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया। जैश-ए-मोहम्मद के प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने पुलिस पर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों ने दोबारा सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया है। थर्मल इमेजिंग, ड्रोन, हेलिकॉप्टर, बुलेटप्रूफ वाहन और खोजी कुत्तों की मदद से सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

### राजभवन में कर्मयोग पर कार्यशाला का आयोजन

## मुख्यमंत्री ने कहा- कर्म सिद्धांत से कोई भी नहीं बच सकता

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

राजभवन में आज कर्मयोगी बनने पर चिंतन किया जा रहा है। इस खास एक दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव ने की। उन्होंने कहा गीता के अनुसार कर्म सिद्धांत से कोई नहीं बच सकता इसमें हम सब शामिल है। कार्यशाला का उद्देश्य प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नेतृत्व-विधाओं के साथ संयोजित कर उपयोग करने का प्रशिक्षण देना है, साथ ही शैक्षणिक संस्थानों में कर्मयोग के सिद्धांतों के समावेश, विकास और सेवा का वातावरण बना कर सकारात्मक बदलाव लाना है। कार्यशाला में मध्यप्रदेश के सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों के कुलगुरू एवं कुलसचिव, पी.एम.एक्सीलेंस शामिल हो रहे हैं।

### 5वीं और 8वीं के परिणाम: 5वीं में 92.70, 8वीं में 90.02 प्रतिशत उत्तीर्ण

**भोपाल।** स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पेटर्न परीक्षाओं का परिणाम जारी कर दिए गए हैं। राज?य शिक्षा के?न्द्र संचालक हरजिंदर सिंह ने परीक्षा पोर्टल का रिजल?ट बटन क्लिक कर परिणाम घोषित किया। उन?होंने बताया कि प्रदेश के समस्त विद्यालयों का कक्षा 5वीं का परीक्षा परिणाम 92.70 प्रतिशत रहा, जो कि, विगत वर्ष के परिणाम प्रतिशत 90.97 से लगभग 2 प्रतिशत अधिक है। वहीं कक्षा 8वीं का परीक्षा परिणाम 90.02 रहा है जो कि पिछले वर्ष के परिणाम प्रतिशत 87.71 से लगभग 3 प्रतिशत अधिक रहा है। कक्षा- 5वीं में बालिकाओं के उर्त्तीर्ण होने का प्रतिशत 94.12 रहा। जबकि बालकों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 91.38 रहा। वहीं कक्षा 8 वी में बालिकाओं के उर्त्तीर्ण होने का प्रतिशत 91.72 रहा। जबकि बालकों के उत्तीर्ण होने का प्रतिशत 88.41 रहा है। आज घोषित परीक्षा परिणामों में कक्षा 5वीं में टॉप 10 संभाग क्रमशः शहडोल, चंबल, नर्मदापुरम, इंदौर, जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर, रीवा, उज्जैन और सागर रहे। वहीं कक्षा 5वीं के परिणामों में टॉप 10 जिले क्रमशः डिंडोरी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मंडला, अनूपपुर, झाबुआ, सीधी, सीहोर, अलीराजपुर और छिंदवा?ा रहे।

## जबर्दस्त भूकंप से ढहीं इमारतें व फ्लाईओवर

**नई दिल्ली।** आज म्यांमार में दो बार ऐसा भूकंप आया कि दिल्ली तक धरती हिलने लगी। दोपहर बारह बजे के आसपास इस भूकंप से भारी अफरातफरी के हालात है। हालांकि दिल्ली में नुकसान की खबर नहीं है लेकिन थाइलेंड में इमारत भरभराकर गिरी हैं। भूकंप की तीव्रता 7.7 की रही। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक, भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर गहराई में था और इसका केंद्र मंडाले शहर के पास स्थित था। ये झटके इतने जबरदस्त थे कि थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी इन्हें महसूस किया गया। यहां एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर ढह गया। वहीं, सैकड़ों लोग घबराकर इमारतों से बाहर निकल आए। इस भूकंप से म्यांमार में हुए नुकसान को लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्ञात हो कि धरती के अंदर सात टेक्टोनिक प्लेट्स हैं. ये प्लेट्स लगातार घूमती रहती हैं. जब ये प्लेट आपस में टकराती हैं, रगड़ती हैं. एक-दूसरे के ऊपर चढ़ती या उनसे दूर जाती हैं, तब जमीन हिलने लगती है. इसे भूकंप कहते हैं. भूकंप को नापने के लिए रिक्टर पैमाने का इस्तेमाल करते हैं. जिसे रिक्टर मैग्नीट्यूड स्केल कहते हैं।

## केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज

**नई दिल्ली, एजेंसी**

पुलिस ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम के कथित उल्लंघन की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। राउज एवेन्यू कोर्ट में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने के बाद बताया गया कि मामले की अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। इससे पहले मामले की सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल और मटियाला सीट से विधायक गुलाब सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पुलिस ने शिकायत पर जांच नहीं की ऐसे में होर्डिंग किसने लगाए और क्यों लगाए इसकी जांच जरूरी है।

## नमाजियों पर पुष्पवर्षा की मांग उठी

**संभल, एजेंसी**

उप्र के संभल में समाजवादी पार्टी के नेता फिरोज खां ने अलविदा जुमा और ईद की नमाज के दौरान हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराने की मांग की है। सपा नेता ने कहा कि महाकुंभ और कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की तरह ईद और अलविदा जुमा की नमाज के दौरान नमाजियों पर भी पुष्पवर्षा करनी चाहिए। सपा नेता ने कहा कि प्रशासन पुष्पवर्षा नहीं कराता है तो हमें इसकी अनुमति दी जानी चाहिए। दरअसल, संभल में जहां एक तरफ अधिकारियों के द्वारा घर की छतों पर सामूहिक नमाज पर रोक का फरमान जारी कर दिया गया है. वहीं। इसी बीच सपा नेता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित पुष्पवर्षा संबंधी ज्ञापन एसडीएम वंदना मिश्रा को सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया कि नमाजियों द्वारा एक महीने तक इबादत करने के बाद ये दिन आता है।

## अभिव्यक्ति की आजादी अहम: सुप्रीम कोर्ट से सांसद इमरान को राहत

**नई दिल्ली, एजेंसी**

कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। इमरान पर उनकी कविता के लिए गुजरात में दर्ज एफआईआर मामले में कोर्ट ने कहा कि ÷कविता, कला और व्यंग जिंदगी को समृद्ध करती है। स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति समाज के लिए जरूरी है। पुलिस अभिव्यक्ति की आजादी सुनिश्चित करे।÷ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मजबूत, दृढ़ समझ वाले लोगों के मानकों का इस्तेमाल करें, न कि उन लोगों के मानकों का जो कमजोर हैं और हर चीज को खतरे या आलोचना के रूप में देखते हैं। कोर्ट ने कहा यदि पुलिस मौलिक अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहती है तो अदालतों का कर्तव्य है कि वे हस्तक्षेप करें । विचारों और नजरिए की आजादी-अभिव्यक्ति महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही जस्टिस अभय एस ओक की अगुआई वाली बेंच ने इमरान के खिलाफ गुजरात के जामनगर मे दर्ज मुकदमे को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने 17 जनवरी को इमरान की याचिका खारिज कर दी थी सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि भले ही बहुत से लोग किसी दूसरे के विचारों को नापसंद करते हों, लेकिन विचारों को व्यक्त करने के व्यक्ति के अधिकार का सम्मान और संरक्षण किया जाना चाहिए।

## धोनी v/s कोहली आज आईपीएल का सबसे बड़ा मुकाबला

**चैन्नई।** इंडियन प्रीमियर लीग का आज 8वां मैच अब तक के मैचों में सबसे बडा व कडा माना जा रहा है। आज चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह चैन्नई टीम का होम ग्राउंड भी है। अब तक चेन्नई ने अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस और बेंगलुरु ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराया है। जबकि पिछले सीजन चेन्नई को हराकर बेंगलुरु प्लेऑफ में पहुंची थी। तब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दोनों टीमों के लिए करो या मरो वाला मुकाबला था।

## जबर्दस्त खरीदारी से विदेशी निवेशकों ने लगाया बाजार को 'टीका'

**नई दिल्ली, एजेंसी**

विदेशी निवेशक अचानक भारतीय बाजार पर मेहरबान दिखने लगे हैं। जबकि वे पिछले कई महीनों से भारतीय बाजार में जमकर बिकवाली कर रहे थे और माना जा रहा था कि वे यहां से पैसा निकालकर चीन आदि देशों में लगा रहे हैं। मगर अब विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में जमकर खरीदारी शुरू की है, अब तक 11,111 करोड़ रुपये की नेट खरीदारी की है। यह इस साल विदेशी निवेशकों की एक दिन की सबसे बड़ी खरीदारी है। 27 मार्च को विदेशी निवेशकों ने 31,784 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे और 20,673 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। घरेलू निवेशकों ने 39,853 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे और 37,335 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस तरह वे 2517 करोड़ रुपये के नेट बायर्स रहे। आंकड़ों के मुताबिक इस साल अब तक विदेशी निवेशकों ने 1.44 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं जबकि घरेलू निवेशकों ने 1.89 लाख करोड़ रुपये के शेयर खरीदे हैं।

## अवैध रेत पकडी, ड्राइवर बोला मंत्रीपुत्र के प्लांट पर जा रही..!

**मुरैना।** बीती देर रात मुरैना में वन विभाग की टीम ने चंबल नदी से अवैध खनन की रेत लेकर जा रहे ट्रक को पकड़ा और ड्राइवर से पूछताछ की तो उसने बताया कि यह ट्रक मंत्री एदल सिंह कंसाना के बेटे बंकू भैया के मुंगाव?ली प्लांट पर जा रहा है। वो रोड बनाने का काम करते हैं। खबरों के मुताबिक ड्राइवर ने बताया कि वो सात-आठ दिन पहले से ही यह काम कर रहा है। ट्रक भी मंत्री के बेटे ने उसे चलाने को कहा था। रात के समय में वो चंबल नदी के रेत प्लांट तक ले जाता था ताकि कोई पकड़े नहीं। इस मामले में अभी तक मंत्री कंसाना और उनके बेटे की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। ग़ौरतलब है कि कृषि मंत्री कंसाना ने कुछ दिन पहले ही रेत माफ़िया को पेट माफिया बताकर कहा कि चंबल में रोजगार नहीं, इसलिए गरीब लोग रेट, मिट्टी का कारोबार करते हैं।

## कामरा ने कहा मुंबई में जान को खतरा, मद्रास हाइकोर्ट से राहत मांगी

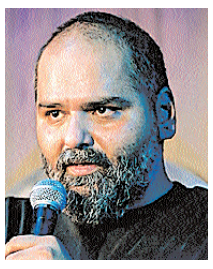

**मुंबई, एजेंसी।** स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने पिछले दिनों हुए विवाद के बाद अब अपनी जान को खतरा है। उन्होंने कहा, ÷मैं विल्लुपुरम (तमिलनाडु) का रहने वाला हूं। अगर मुंबई वापस आऊंगा तो मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया जाएगा, शिवसेना कार्यकर्ताओं से मेरी जान को खतरा है।÷ कुणाल ने मद्रास हाईकोर्ट से ट्रांजिट अग्रिम जमानत की मांग की है। अदालत आज दोपहर याचिका पर सुनवाई करने वाली है। दरअसल अपनी टिप्पणियों और हाजिर जवाबी से लोगों को हंसाने वाले कुणाल कामरा ने अपने एक वीडियो पोस्ट किया था. उन्होंने पैरोडी बनाकर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर तीखे कमेंट किए थे, यही कमेंट शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ताओं को नागवार गुजरे थे.

## कनाडा हुआ नाराज, अमेरिका से की कुट्टी

**ओटावा, एजेंसी**

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि अमेरिका-कनाडा के पुराने रिश्ते अब खत्म हो चुके हैं। ट्रम्प के विदेशी कारों पर 25 फीसद टैरिफ लगाने को लेकर हुए विवाद के बाद कनाडाई पीएम ने यह बात कही। राजधानी ओटावा में कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कार्नी ने कहा कि कनाडा का अमेरिका के साथ वो पुराना रिश्ता जो बुनियादी तौर पर अर्थव्यवस्था को एकजुट रखने, सुरक्षा और सैन्य सहयोग को आगे बढ़ाने पर बना हुआ था, अब नहीं रहा। कार्नी बोले- कब्जे की धमकी देना, कनाडा की संप्रभुता का अपमान है। हालांकि कार्नी ने ये भी कहा कि वे ट्रम्प से अगले 1-2 दिनों में बात कर सकते हैं। उन्होंने कहा-मैं उनसे बातचीत के लिए तैयार हूं, लेकिन वे अमेरिका के साथ तब तक किसी व्यापार वार्ता में हिस्सा नहीं लेंगे जब तक ट्रम्प, कनाडा के लिए सम्मान नहीं दिखाते।

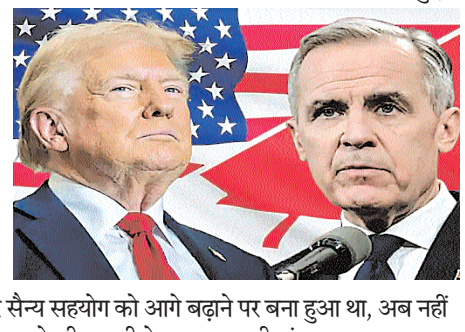

### मेट्रो एंकर

### भारत में दिखने की संभावना नहीं, सूतक भी नहीं

## साल का पहला सूर्यग्रहण कल या परसों.. कंफ्यूजन!

**नईदिल्ली, एजेंसी**

सौरमंडल में ग्रहण भले ही एक खगोलीय घटना हो, लेकिन ज्योतिष के अनुसार इसका प्रभाव लाभदायक या हानिकारक हो सकता है, जिसका असर लंबे समय तक बना रह सकता है। अब कल 29 मार्च को साल का पहला सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है, जो कि भारत में दृश्यमान नहीं होगा। बल्कि यह सुदूर देशों में दिखेगा,इसलिये यह भी भ्रम है कि यह भारत में कल है या परसों। इसके साथ ही कल शनि अमावस्या का संयोग भी बन रहा है। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य ग्रहण को एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना माना जाता है, जो आध्यात्मिक दृष्टि से भी खास महत्व रखती है। हालांकि इस बार का सूर्य ग्रहण आंशिक होने वाला है। जब चंद्रमा सूर्य और पृथ्वी के बीच आ जाता है, तब यह खगोलीय घटना घटित होती है, जिसे सूर्य ग्रहण कहा जाता है।

हालांकि, साल 2025 के पहले सूर्य ग्रहण को लेकर यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह भारत में दिखाई देगा और इसका समय क्या होगा?

दरअसल, साल का पहला सूर्य ग्रहण आंशिक है तथा यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। मूल रूप से यह सूर्य ग्रहण दक्षिण अमेरिका, आंशिक उत्तरी अमेरिका, उत्तरी एशिया, उत्तर-पश्चिम अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी ध्रुव, आर्कटिक महासागर और अटलांटिक महासागर में दिखाई देगा। भारतीय समयानुसार, कल लगने वाले सूर्य ग्रहण की शुरुआत दोपहर 2 बजकर 21 मिनट पर होगी और इसका समापन शाम 6 बजकर 14 मिनट पर होगा। इस ग्रहण की कुल अवधि 3 घंटे 53 मिनट की रहने वाली है। चूंकि, यह ग्रहण भारत में दृश्यमान नहीं होगा, इसलिए यहां इसका सूतक काल प्रभावी नहीं रहेगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि इस ग्रहण का भारत या दुनिया पर किसी भी तरह का भौतिक, आध्यात्मिक, धार्मिक या सूतक प्रभाव नहीं पड़ेगा. इस अवधि में भारत के लोगों की दिनचर्या पहले की तरह सामान्य बनी रहेगी। शास्त्रों के अनुसार, ग्रहण का प्रभाव केवल उन्हीं क्षेत्रों में पड़ता है जहां इसे देखा जा सकता है. चूंकि, भारत में यह ग्रहण दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका कोई प्रभाव भारतीयों पर नहीं होगा।

### कहां दिखेगा सूर्य ग्रहण

यह सूर्य ग्रहण दक्षिण अमेरिका, आंशिक उत्तरी अमेरिका, उत्तरी एशिया, उत्तर-पश्चिम अफ्रीका, यूरोप, उत्तरी ध्रुव, आर्कटिक महासागर और अटलांटिक महासागर आदि जगहों पर दिखाई देगा। सूर्य ग्रहण तब घटित होता है जब चंद्रमा, सूर्य और पृथ्वी के बीच स्थित हो जाता है, जिससे सूर्य का प्रकाश पृथ्वी तक पूरी तरह या आंशिक रूप से नहीं पहुंच पाता। इस स्थिति में चंद्रमा सूर्य के सामने आकर उसकी रोशनी को आंशिक या पूर्ण रूप से ढक लेता है, जिससे पृथ्वी पर उसकी छाया पड़ती है।

## ईद की तैयारी...

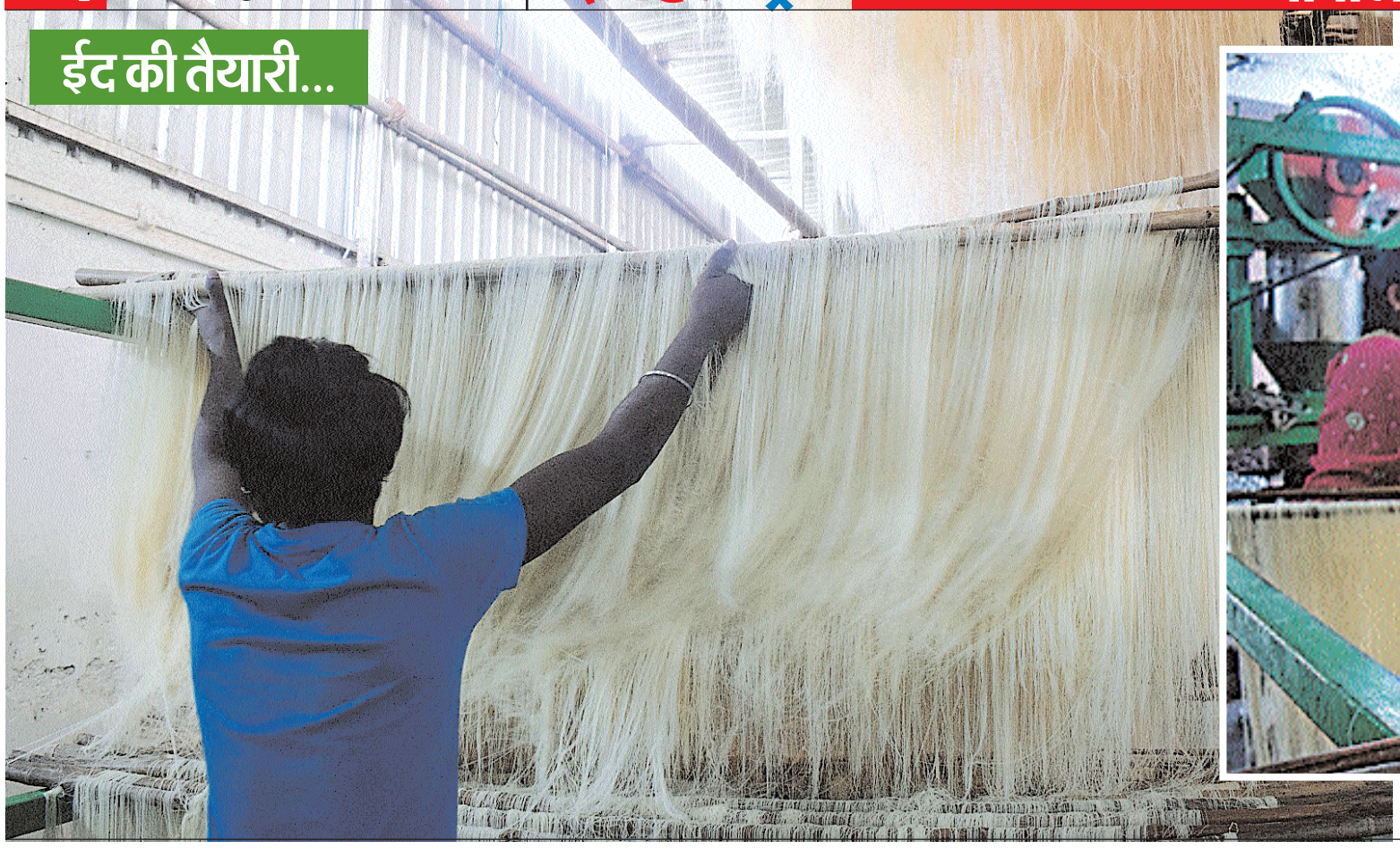

**भोपाल.** भोपाल के शहर में ईद उत्सव को लेकर सेवइयां बनाने का काम तेज है।

### जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने वन विहार सीमा से 100 मीटर तक इको सेंसिटिव जोन की मैपिंग शुरू की

# 100 मीटर में होटल, दुकान और सरकारी भवन भंग कर रहे वन्यजीवों का सुकून

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

वन विहार के ईको सेंसिटिव जोन में पक्के निर्माण हो गए हैं। इनमें होटल, दुकान के साथ सरकारी भवन भी हैं। वन विहार सीमा से सटे प्रेमपुरा गांव में पुराने के साथ नए आवास भी हैं। जिला प्रशासन और वन विभाग की संयुक्त टीम ने सोमवार से इको सेंसिटिव जोन के 100 मीटर का सीमांकन शुरू किया है। इसमें करीब दस दिन लगेंगे। पत्रिका टीम ने मौके पर पड़ताल की तो इस दायरे में पुराने के साथ नवनिर्मित भवन नजर आए। यहां 122 पक्के निर्माण हैं। बीते तीन साल में 40 फीसदी निर्माण बढ़े हैं।

**वन विहार के दोनों गेट के आसपास टूट रहे नियम :** वन विहार के दो गेट हैं। एक नंबर गेट बोट क्लब के पास है। यहां पक्के निर्माण के रूप में पार्क चिह्नित हो सकता है। गेट नंबर दो भदभदा के पास प्रेमपुरा गांव है। यह बाउंड्री से सटा हुआ है। यहां एक प्राइमरी स्कूल, आंगनबाड़ी और सरकारी भवन है। इसके अलावा दो धार्मिक स्थल भी बाउंड्री के करीब हैं।

**खसरों का मिलान कर तय करेंगे बाउंड्री :** वन विहार की बाउंड्री की मार्किंग की जानी है। राजस्व की टीम के साथ मिलकर खसरों से मिलान होगा। बाउंड्री की सही लोकेशन इसे पता लग सकेगी। इसके बाद ही बाउंड्री से सौ मीटर का दायरा तय होगा। इसमें करीब दस दिन का समय लग सकता है। ईको सेंसिटिव जोन में आने वाले निर्माण पर इसके बाद ही राजस्व फैसला करेगा।

### वन विहार ग्राउंड रिपोर्ट

- 445 हेक्टेयर में वन विहार फैला हुआ है। इसके एक नंबर गेट भदभदा की ओर प्रेमपुरा सबसे पहला गांव है। यहां वन्यप्राणियों और आम लोगों के बीच एक दीवार का अंतर है।
- ईको सेंसिटिव जोन की सरकारी विभागों ने ही अनदेखी करते हुए यहां एक प्राइमरी स्कूल और आंगनबाड़ी बना डाले।
- यहां गोदाम भी बनाए हैं। करीब बीस हजार आबादी वाले इस क्षेत्र के कई आवास वन विहार की बाउंड्री से लगे हैं।
- वन विहार के गेट एक पर बोट क्लब के पास पक्के निर्माण के रूप में फ्लोटिंग फाउंटेन है।
- राजस्व टीम खसरों के आधार पर वन विहार की बाउंड्री तय करेगी। इसके लिए राजस्व की टीम काम कर रही है। वन विहार के खसरों के आधार पर तय होगा कि 100 मीटर का दायरा कहां तक है। इसके बाद निर्माणों पर कार्रवाई होगी।
- सुप्रीम कोर्ट ने तय किया एक किमी का जोन, इसमें कई बड़े प्रतिष्ठान
- गेट की ओर- बोट क्लब, होटल, रेस्टोरेंट, मानव संग्रहालय का दफ्तर, रीजनल इंस्टीट्यूट।
- गेट दो की ओर- सैर सपाटा, दो होटल, ढाई सौ से ज्यादा आवास, गांव शामिल।
- टाइगर और लॉयन सहित 1500 वन्यप्राणी, शोर से परेशान
- वन विहार में 1500 वन्यप्राणी हैं। इनमें 11 बाघ, पांच शेर सहित शाकाहारी जीव शामिल हैं। इसकी सीमा राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, एडीजी दूरसंचार कार्यालय, प्रेमपुरा गांव लगा हुआ है।

## सोशल मीडिया बढ़ा रहा परिवार के बीच दूरिया, खत्म करने में मदद करेगी बरोह पुस्तक

### संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ.मनमोहन वैद्य ने किया पुस्तक का विमोचन

**भोपाल, दोपहर मेट्रो।**

सोशल मीडिया के कई कंटेंट परिवारों के बीच बढ़ती दूरियों के कारण बन रहे है। संघ इस पर काफी चिंतित है और इस दूरी को कम करने के प्रयास कर रहा है। इसके लिए कई प्रकल्प शुरू किए है तो कुछ साहित्य भी समाज तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। संघ ने गुरुवार को विश्व संवाद केंद्र में पुस्तक बरोह का विमोचन किया। संघ के शताब्दी वर्ष में ऐसी कई पुस्तकें और सामने आएंगी। गुरुवार विश्व संवाद केंद्र में संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य ने किया। उक्त पुस्तक प्रसिद्ध चिंतक, विचारक एवं लेखक प्राप्रग सहस्रबुद्धे द्वारा लिखित है, जिसका अनुवाद गिरीश जोशी ने किया। विमोचन व परिचर्चा में डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि संघ ने शताब्दी वर्ष में जिन पांच विषयों पर कार्य करने का निश्चय किया है उसमें कुटुंब प्रबोधन प्रमुख है। आज के समय में करियर की चाह में परिवार के साथ बैठना नहीं हो पा रहा है। सोशल मीडिया ने दुनिया के लोगों से तो हमें जोड़ दिया है लेकिन परिवार के सदस्यों से दूरियां बढ़ा दी है। इसलिए आवश्यक है कि हम जब घर में हों तो मोबाइल फोन से दूरियां बनाएं, टेलीविजन बंद करें और परिवार के साथ अपनों के साथ बैठें।

## बांके बिहारी यादव समाज का होली मिलन समारोह 30 को

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

बांके बिहारी यादव समाज द्वारा होली मिलन समारोह 30 मार्च 2025 को छठ घाट पांच नंबर तालाब के पार्क में सुबह 10 से आयोजित है। होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि कृष्णा गौर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार है। बांके बिहारी यादव समाज के अध्यक्ष गंगा सागर यादव ने यादव समाज के सभी सम्मानित जन से निवेदन किया है कि समय सुबह 10 से पूरे परिवार सहित पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाइये। यादव ने यह भी बताया कि उस दिन जो उपवास है उनके लिए फलहार की भी व्यवस्था रहेगी। जो उपवास नहीं रहेंगे, भोजन प्रसाद ग्रहण करेंगे। होली मिलन समारोह में शुद्ध रूप से केवल फूलों की होली खेली जाएगी रंग और गुलाल, बिल्कुल नहीं रहेगा।

## आकृति श्रीवास्तव को पीएचडी की उपाधि

**भोपाल.** रिसर्च स्कॉलर आकृति श्रीवास्तव को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्हें पीएचडी की उपाधि देवी अहिल्या विश्विद्यालय इंदौर द्वारा ए कम्प्रेटिव स्टडी ऑन सिल्क प्रोड्यूस्ड बाई डिफरेंट स्पीसीसऑफ स्पाइडर्स विषय पर उनके शोध कार्य के लिए प्रदान की गई है। शोध कार्य के दौरान आकृति के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र भी प्रकाशित हुए हैं। नेशनल सेंटर ऑफ बायो टेक्नोलॉजी इनफॉरमेशन में शोध संबंधित स्पाइडर प्रजातियों के सीक्वेंस (पेटेंट) भी प्रकाशित हो चुके हैं। आकृति ने अपना शोध कार्य होल्कर साइंस कॉलेज इंदौर के प्रो.(डॉ.) विपुल कीर्ति शर्मा के निर्देशन में किया है। इस उपलब्धि पर आरपी श्रीवास्तव एवं उमावि की सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. इंदिरा श्रीवास्तव सहित अन्य शुभचिंतकों ने बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

## चैतीचांद पर राजधानी में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

### नशा जहर है, संदेश देगा सिंधी समाज

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

सिंधी सेंट्रल पंचायत भोपाल ने भगवान झूलेलालजी के अवतरण दिवस पर निकलने वाली शोभा यात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नशा जहर है का संदेश सिंधी समाज का युवा वर्ग देगा। शोभायात्रा भगवान झूलेलाल की विधिवत पूजा के बाद सिंधी कॉलोनी, बैरसिया रोड से शाम चार बजे निकलेगी और चारों दिशाओं से मोहल्लों की झांकियां बस स्टेन्ड चौराहे पर इकट्ठा होकर रवीन्द्र भवन मुक्ताकाश पर शाम 7 बजे पहुंचेंगी। पंचायत की झांकी नशे के प्रति जागरूकता विषय पर होगी जबकि विभिन्न मोहल्ले के झांकियों में पर्यावरण संरक्षण, सोशल मीडिया के प्रति जागरूकता, राष्ट्रीय स्वाभिमान, संतों-महात्माओं के ज्ञान जैसे विषयों पर होंगी।

### ड्रोन से होगी पुष्पवर्षा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आतिशबाजी होगी

**बस स्टैंड पर रंगारंग कार्यक्रम :** नादिरा बस स्टेन्ड चौराहे पर होगा रंगारंग कार्यक्रम और आतिशबाजी। बस स्टेन्ड चौराहे पर छेज सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु विशाल मंच बनाया गया है जहां डोन से पुष्पवर्षा, आकर्षक आतिशबाजी के बाद बैलून छोड़कर शोभायात्रा को रवाना किया जायेगा।

**शंखनाद से होगी पूजा :** अटलराम धर्मशाला पर शाम 4 बजे भगवान झूलेलाल की पूजा के समय 11 साधक शंखनाद कर शोभायात्रा को रवाना करेंगे। विधायक भगवान दास सबनानी शोभा यात्रा को रवाना करेंगे। रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर भगवान झूलेलाल की आरती के समय भी शंखनाद के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत होगी। शोभायात्रा में युवा वर्ग मोटर साइकल पर ÷ नशा जहर है, जीवन पर कहर है÷ के लोगो लगी टी शर्ट पहनकर शोभायात्रा की अगवानी करेंगे।

**भोपाल, मुंबई के कलाकारों की प्रस्तुति :** रवीन्द्र भवन के मुक्ताकाश मंच पर रंगारंग कार्यक्रम जिसमें बम्बई के कलाकार और भोपाल के एन.के.म्यूजिकल ग्रुप एवं कशिश डांस ग्रुप की प्रस्तुतियां होंगी। जय महाराज की उपस्थिति में साधकों द्वारा स्वस्ती वाचन और भगवान झूलेलाल की आरती के समय शानदार शंखनाद की प्रस्तुती होगी और आकर्षक आतिशबाजी भी होगी। नशे के प्रति जागरूकता को दर्शाते हुए आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी।

**मेट्रो एंकर**

### 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' फेम बबीताजी एवं मुंबई से आए गायक जतिन उदासी ने मचाई भोपाल में धूम

# सिंधु सेना का चेटीचंड महोत्सव, एक शाम सिंधियत के नाम

**हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।**

जगमगाती रंगबिरगी लाईट और एक लाख वॉल्ट का म्यूजिक के सेटअप के बीच बुधवार को स्वागत गार्डन में अपने पसंदीदा कलाकारों का इंतज़ार करते दस हजार से अधिक गार्डन के अंदर और बाहर फूड जोन में लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाते सिंधी समाज के लोग, कुछ ही देर में युवाओं के चहेते सिंगर जतिन उदासी पहुँचे, और बोले आई लव यू भोपाल, भोपाल बहुत प्यारा शहर है मुझे यहाँ बार बार आना होता है, उसके बाद जतिन ने एक से बढ़कर एक धमाकेदार परफॉरमेंस से इस संगीतमय संध्या का समा बांध दिया। मौका था सिंधु सेना के अध्यक्ष राकेश कुकरेजा द्वारा आयोजित एक शाम सिंधियत के नाम कार्यक्रम का। कार्यक्रम की शुरुआत डमरू वादको द्वारा भगवान झूलेलाल की आरती से की गई। उसके बाद रेड कारपेट पर धमाकेदार एंट्री के साथ बबीता जी ( मुनमुन दत्ता) का आना हुआ, कार्यक्रम में बैठे सभी लोगों ने बबीता जी,

बबीता जी, कहकर उनका स्वागत किया, बबीता ने भी मंच से सभी लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। मुंबई से आई मशहूर कलाकार मुनमुन दत्ता ने कहा मै पहली बार भोपाल आई मुझे यहां की हरियाली बड़ा तालाब बहुत अच्छा लगा, यहां आ कर सिंधी पकवान खाए जिनका स्वाद शायद ही कभी भूल पाऊं। उसके बाद नॉन स्टॉप 1 घंटे तक अपनी परफॉरमेंस देकर पूरा पूरा माहौल खुशनुमा कर दिया। इस अवसर पर भोपाल के सांसद आलोक शर्मा ने भी उपस्थित होकर सिंधी समाज को भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चैतीचांद की अग्रिम शुभकामनाएँ दीं। शर्मा ने इस राकेश कुकरेजा और उनकी पूरी टीम को सिंधियत के इस समागम के आयोजन की बधाई दी। इस कार्यक्रम में गुजरात के कलाकार मंकी मैंन (जैकी वाधवानी ) ने भी लोगों का मनोरंजन किया।

### राज्यपाल तक पहुंची शिकायत, उच्च स्तरीय जांच की मांग

# विधायक भूरिया पर अब गरीबों का स्वेच्छानुदान अमीरों में बांटने के आरोप

**भोपाल. दोपहर मेट्रो।**

कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया पर गरीबों को दी जाने वाली स्वेच्छानुदान की राशि करोड़पति, व्यापारी, होटल मालिक, टेंट व किराना व्यावसायियों, होर्डिंग कारोबारियों, उनके घर काम करने वाले कर्मचारियों को बांटने के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि विधायक ने व्यापारियों से उपयोग के लिए सामग्री खरीदी, कार्यक्रमों में टेंट लगवाए, कार्यकर्ताओं को चाय-नाश्ता कराया और भुगतान निधि से कर दिया।

शिकायत झाबुआ की रानापुर तहसील के दौतड़ गांव के मथियास भूरिया ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल से कर उच्च स्तरीय जांच कराने व विक्रांत को पद से हटाने की मांग की है। विक्रांत केंद्रीय पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के बेटे हैं और झाबुआ से विधायक है। कांग्रेस ने उन्हें हाल में ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है। विक्रांत भूरिया ने मीडिया में दिए बयान में आरोपों को नकार दिया है। यह भी कहा कि ये सभी झूठे और बेबुनियाद आरोप है।

## आरोपों में ये भी शामिल

– शिकायतकर्ता ने राज्यपाल को की शिकायत में जो दस्तावेज दिए है उनके मुताबिक 2019 से 2025 में अब तक 130 लोगों को 25 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया है।

- ये भी आरोप लगाए कि रूपेश, चेतना सकलेचा, विक्की सकलेचा, सतीश नहार, राजेन्द्र कुमार, अक्षत जैन, सुनील जैन, सरिता जैन, हुसैनी बोहरा, अब्दुल बोहरा, डॉक्टर दिनेश गाहरी, गोपाल, भारतलाल ये सभी बड़े व करोडपति व्यापारी है, जिन्हें स्वेच्छानुदान की राशि दी गई। इनके अलावा करीब दो दर्जन ऐसे लोग जो व्यापारी हैं या विधायक कार्यालय में काम करने वाले कर्मचारी व उनके परिवार के लोग है, जिन्हें भी लाभ पहुंचाया गया।
- प्रियाश हटिला, पीयूष हटिला को तीन बार, अक्षय कटारा को दो बार, शुभम राव को दो बार, रूपेश सकलेचा, सतीश नहार, राजेन्द्र कुमार, गोपाल, योगेन्द्र भूरिया, राजू भूरिया, रेखा भूरिया, अन्तर भूरिया को एक साल के भीतर दो-दो बार लाभ पहुंचाया गया।
- विधायक एवं पूर्व विधायक द्वारा व्यापारियों से उनकी दुकानों से निजी उपयोग घरेलू उपयोग तथा कार्यालय उपयोग के लिए सामग्री खरीदी गई और होर्डिंग, टेन्ट आदि पार्टी कार्यक्रम के लिए लगाए गए। इस कारण टेन्ट व्यापारियों के बैंक खातो में स्वेच्छानुदान की राशि डाली गई है।
- भारतलाल नामक व्यक्ति जिनका होटल विधायक भूरिया के कार्यालय से 150 मीटर की दूरी पर है, भारतलाल को चार महीने के भीतर दो बार में 35 हजार रुपये दिए। यह ट्रांजेक्शन 2023 का है।

## एनआईटीटीटीआर का सत्र 2025-2026 का एकेडेमिक कैलेंडर जारी

**भोपाल।** राजधानी स्थित एनआईटीटीटीआर के वर्ष 2025-2026 के वार्षिक अकादमिक ट्रेनिंग प्रोग्राम के कैलेन्डर को निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी द्वारा जारी किया गया। प्रो. त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि इस नए अकादमिक वर्ष में कुल 326 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, विकसित भारत 2047 पहल, पीएम गति शक्ति कार्यक्रम, कैपेसिटी बिल्डिंग, उभरती हुई तकनीकें, उद्योग केंद्रित प्रशिक्षण, और आउटकम-आधारित शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। कार्यक्रमों की योजना विभिन्न राज्यों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है, जिनमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसग?, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान, और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए समर्पित विशेष कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा, समय-समय पर मांग के आधार पर भी अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सहायक कर्मचारियों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ताकि उनके कौशल और क्षमता को बेहतर बनाया जा सके। साथ ही, पूरे वर्षभर हिंदी कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि हिन्दी भाषा में दक्षता ब?ाई जा सके। सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संस्थान के लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (ई-प्रशिक्षण) के माध्यम से आयोजित किया जाएगा, जिससे पूरे देशभर में इन कार्यक्रमों की व्यापक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। यह प्रणाली डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में एक सशक्त माध्यम है, जो सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण सामग्री तक पहुंच प्रदान करता है, जिससे उनकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होता है।


भारत सरकार

"हमने चने और मूंग में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है। हम तुअर, उड़द और मसूर के उत्पादन को बढ़ाने के लिए भी संकल्पबद्ध हैं"

दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर अहम कदम

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन

अब तुअर, उड़द और मसूर की दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिये विशेष ध्यान

किसान भाई बहनों के सहयोग और भारत सरकार के सतत प्रयासों से देश दालों में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

इन तीनों दालों की MSP पर खरीद की गारंटी

मिशन के अंतर्गत

उन्नत एवं जलवायु अनुकूल बीजों का विकास तथा उनकी उपलब्धता में वृद्धि द्वारा दालों का उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य

दालों की खेती के क्षेत्र का विस्तार

फसल कटाई के बाद दालों के भंडारण और प्रबंधन को बढ़ावा

केंद्रीय एजेंसियां NAFED और NCCF पंजीकरण करने वाले किसानों से MSP पर उतनी मात्रा में यह दालें खरीदने के लिये तैयार रहेगी जितनी उनके पास लायी जायेगी

AgriGol

अधिक जानकारी के लिए क्यू आर कोड को स्कैन करें

cbc 01102/13/0016/2425

## संपादकीय

# माननीयों को सुविधा का ख्याल और आम आदमी

हमारे जनप्रतिनिधियों के वेतन, भत्तों और पेंशन में ब?ोतरी को लेकर हर बार सवाल उठते रहे हैं तो जाहिर है कि इस बार भी उठ रहे हैं। आम आदमी हैरत से देख रहा है। सांसदों के वेतन में चौबीस फीसद की ब?ोतरी की गई है। इसी तरह हर भत्ते और पूर्ववतियों की पेंशन में ब?ोतरी हुई है। इस मामले में कहा जा रहा है कि महंगाई दर के मद्देनजर इस ब?ोतरी का फैसला किया गया। क्योंकि वेतन, भत्तों और पेंशन में वृद्धि का सूत्र ही महंगाई के मद्देनजर तय किया गया था, इस लिहाज से यह ब?ोतरी गलत नहीं कही जा सकती। राज्यों में भी विधायकों को खूब सुविधा मिलती-बढतीं रहीं हैं। हालांकि इसे सही ठहराने पर सवाल यह उठता है कि, क्या आम लोगों की आमदनी में भी इसी अनुपात में वृद्धि हो सकी है। महंगाई पर काबू पाने की तमाम कोशिशों के बावजूद लंबे समय से इसका स्तर भारतीय रिजर्व बैंक के तय चार फीसद के मानक से ऊपर बना हुआ है। खाद्य वस्तुओं, फल-सब्जियों, रोजमर्रा उपयोग की वस्तुओं की कीमतें आम लोगों की क्षमता से बाहर हैं। उपभोक्ता सूचकांक के आधार पर स्पष्ट है कि पिछले दस वर्षों में लोगों की आमदनी नहीं ब?ी है। इस तरह जनप्रतिनिधियों और आम लोगों की आय में असमानता काफी ब? गई है। क्योंकि सांसदों, विधायकों को उस तरह केवल अपने वेतन पर गुजारा नहीं करना प?ता, जिस तरह आम कर्मचारियों, वेतनभोगी लोगों को करना प?ता है। इसलिए इस ब?ोतरी को लेकर स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं। वैसे तो यह सवाल लंबे समय से पूछा जाता रहा है कि जनप्रतिनिधियों को खुद अपने वेतन और भत्तों में ब?ोतरी करने का अधिकार क्यों होना चाहिए। इसके लिए भी एक स्वतंत्र समिति क्यों नहीं गठित की जाती। फिर, उन्हें मिलने वाली पेंशन पर पर भी सवाल उठते रहे हैं कि जब एक सामान्य कर्मचारी को लंबी सेवा के बाद अब पेंशन की कोई योजना नहीं रह गई है या बहुत मामूली है, तो फिर एक बार चुनाव जीत जाने भर से किसी जनप्रतिनिधि को जीवन भर पेंशन पाने का हक क्यों होना चाहिए। उस पेंशन की राशि भी एक आम वेतनभोगी से काफी अधिक होती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि जनप्रतिनिधियों के खर्चे कई तरह के होते हैं और अगर महंगाई के अनुरूप उनके वेतन-भत्तों में ब?ोतरी न की जाए, तो उन्हें मुश्किलों का सामना करना प? सकता है। मगर उन्हें मिलने वाले भत्ते इतने हैं कि शायद ही किसी को मुश्किल आती हो। मुफ्त का आवास, वाहन, यात्रा भत्ता, क्षेत्र दौरे के लिए भत्ता, कार्यालय खर्च का भत्ता, संसदीय सत्र के दौरान का भत्ता आदि मिलता है।यूं तो राजनेता समाजसेवा का संकल्प लेकर चुनाव मैदान में उतरते हैं, तो उन्हें वेतन-भत्तों आदि का लोभ नहीं होना चाहिये। क्योंकि उन्हें मिलने वाले वेतन और भत्तों पर भारी रकम खर्च होती है, जिससे सार्वजनिक खजाने पर बोझ ब?ता है। सारा खर्च आम लोगों की कमाई से ही जाता है। तो, यह पूछा जाना स्वाभाविक है कि आमजन की चिंता का दावा करने वाले जनप्रतिनिधि अपने ऊपर होने वाले सरकारी खर्च में कटौती पर विचार क्यों नहीं कर पाते। देश में जनप्रतिनिधियों पर कई देशों की तुलना में बहुत अधिक खर्च होता है, इसलिए भी यह ब?ोतरी लोगों को खटकती है। महंगाई की तुलना में आय में ब?ोतरी होनी ही चाहिए, लेकिन यह सिद्धांत जब केवल कुछ लोगों तक सीमित कर दिया जाता है, तो अंगुलियां उठती हैं। इस पर विचार का वक्त आ गया है।

# ज़रूरी है न्याय व्यवस्था की साख को कायम रखना

■ प्रमोद जोशी

नेशनल ज्यूडीशियल डेटा ग्रिड के अनुसार इस हफ्ते 26 मार्च तक देश की अदालतों में चार करोड़ 54 लाख से ज्यादा मुकदमे विचाराधीन पड़े थे। इनमें 46.43 लाख से ज्यादा केस 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। यह मान लें कि औसतन एक मुकदमे में कम से कम दो या तीन व्यक्ति पक्षकार होते हैं तो देश में करीब 10 से 15 करोड़ लोग मुकदमेबाजी के शिकार हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। सामान्य व्यक्ति के नजरिए से देखें तो अदालती चक्करों से बड़ा चक्रव्यूह कुछ नहीं है। एक बार फंस गए, तो बरसों तक बाहर नहीं निकल सकते।सरकार और न्यायपालिका लगातार कोशिश कर रही है कि कम से कम समय में मुकदमों का निपटारा हो जाए। यह तभी संभव है जब प्रक्रियाएं आसान बनाई जाएं, पर न्याय व्यवस्था का संदर्भ केवल आपराधिक न्याय या दीवानी मुकदमों तक सीमित नहीं है। व्यक्ति को कारोबार का अधिकार देने, मुक्त वातावरण में अपना धंधा चलाने, मानवाधिकारों तथा अन्य अधिकारों की रक्षा के लिए भी उपयुक्त न्यायिक संरक्षण की जरूरत है। उसके पहले हमें अपनी न्याय-व्यवस्था की सेहत पर भी नज़र डालनी होगी, जिसके उच्च स्तर को लेकर कुछ विवाद खड़े हो रहे हैं।

इस समय सवाल तीन हैं। न्याय-व्यवस्था को राजनीति और सरकारी दबाव से परे किस तरह रखा जाए? जजों की नियुक्ति को पारदर्शी कैसे बनाया जाए? तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि सामान्य व्यक्ति तक न्याय किस तरह से उपलब्ध कराया जाए? अक्सर कहा जाता है कि देश में न्यायपालिका का ही आखिरी सहारा है। पर पिछले कुछ समय से न्यायपालिका को लेकर उसके भीतर और बाहर से सवाल उठने लगे हैं। उम्मीदों के साथ कई तरह के अंदेशे हैं। कई बार लगता है कि सरकार नहीं, सुप्रीम कोर्ट के हाथ में देश की बागडोर है। पर न्यायिक जवाबदेही को लेकर हमारी व्यवस्था पारदर्शी नहीं बन पाई है।

न्यायपालिका को स्वतंत्र होना चाहिए और उसे सरकारी दबाव से भी बाहर होना चाहिए। सच यह भी है कि संविधान ने कानून बनाने और न्यायिक नियुक्तियों के अधिकार विधायिका और कार्यपालिका को दिए हैं। दो राय नहीं कि कार्यपालिका को भी निर्द्वंद्व नहीं होना चाहिए। न्यायपालिका को लेकर संदेह व्यक्त करना, न्यायिक अवमानना की श्रेणी में इसीलिए रखा जाता है, क्योंकि वह संदेह से परे होनी चाहिए। सवाल है कि यदि न्यायपालिका के भीतर के मसले अस्पष्ट और

अपारदर्शी हैं और उन्हें लेकर भीतर से ही सवाल उठ रहे हैं, तो उनका निदान क्या है?

दिल्ली में नोटों की जलती गड्डियों ने इन सारे सवालों को एकसाथ उठा दिया है? हम किधर जा रहे हैं? न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नोटों की गड्डियों से जुड़े विवाद के बीच, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 2014 में संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि न्यायिक नियुक्तियों की व्यवस्था को सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द नहीं किया होता तो 'चीजें अलग होतीं।' धनखड़ ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पार्टियों के नेताओं के साथ बैठक भी की। कुछ पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह बैठक कॉलेजियम प्रणाली पर राजनीतिक दलों, खासतौर से विरोधी दलों का दृष्टिकोण जानने का प्रयास हो सकता है। सरकार ने इस सिलसिले में कोई प्रस्ताव नहीं रखा है, इसलिए इस बैठक से कोई बात निकल कर नहीं आई, पर लगता है कि न्यायपालिका को लेकर राजनीतिक दलों के भीतर वह आम राय भी इस समय नहीं है, जैसी 2014 में थी। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग से जुड़ा विधेयक 2014 में संसद ने पास किया था, लेकिन 2015 में उच्चतम न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया। एनजेएसी अधिनियम में कहा गया था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में छह सदस्यीय निकाय द्वारा की जाएगी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के दो सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री और दो 'प्रतिष्ठित' व्यक्ति शामिल होंगे। दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों का चयन प्रधानमंत्री, सीजेआई और लोकसभा में विरोधी दल के नेता वाले पैनल द्वारा किया जाना था। उच्चतम न्यायालय ने इसे खारिज करते हुए कहा कि ऐसी वैकल्पिक प्रक्रिया को स्वीकार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता जो जजों के चयन और नियुक्ति के मामले में न्यायपालिका की प्रधानता सुनिश्चित नहीं करती हो। वर्ष 2014 में, दोनों सदनों में, एआईएडीएमके को छोड़कर, जो मतदान में शामिल नहीं रही थी, सभी दलों ने इसका अनुमोदन किया। बाद में 50 प्रतिशत से अधिक राज्यों ने, जिनमें कांग्रेस और वामपंथी दलों द्वारा शासित राज्य भी शामिल थे, एनजेएसी कानून का अनुमोदन किया था। पर यह आमराय तभी तक रही।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद विरोधी दलों के एक खेमे की राय है कि उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति पर सरकारी नियंत्रण नहीं होना चाहिए। औपचारिक रूप से ये नियुक्तियां राष्ट्रपति द्वारा की जाती हैं जो संविधान के मुताबिक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की अनुशंसाओं को मानते हुए ऐसा करते हैं। देश का संविधान ऐसे समय तैयार किया गया था जब राजनेताओं की ईमानदारी और लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा को लेकर बड़े संशय नहीं थे। शुरुआती वर्षों में कार्यपालिका द्वारा शक्ति के दुरुपयोग के उदाहरण भी देखने को नहीं मिले। पर समय के साथ राजनीतिक माहौल बदल गया है।घूम-फिरकर सारी बातें राजनीति पर आती हैं, जिसकी गैर-जिम्मेदारी भी जाहिर है। सवाल केवल न्यायिक प्रणाली में सुधार का ही नहीं है, संपूर्ण व्यवस्था के स्वास्थ्य का है। वर्ष 2018 में जस्टिस जस्ती चेलमेश्वर और जस्टिस कुरियन जोसफ ने मुख्य न्यायाधीश और अपने सहयोगी जजों को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बचाए रखने की अपील की गई थी। पद पर बने रहते हुए ही न्यायमूर्ति चेलमेश्वर ने न्यायाधीशों के चयन के लिए बनाए गए 'कॉलेजियम' व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। इसके पहले जनवरी में सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने एक संवाददाता सम्मेलन में न्यायपालिका के भीतर के सवालों को उठाया था। आम शिकायत है कि देश में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोग आपस में रेवड़ियां बांटते हैं। अदालतों में वरिष्ठ और नामी-गिरामी वकीलों की पौ बारह देखी जा सकती है। परिवारों का परिवारों से रिश्ता, भाई-भतीजावाद छिपाए नहीं छिपता। इस सिलसिले में जस्टिस कुरियन जोसफ और जस्टिस चेलमेश्वर की एक घोषणा ने ध्यान खींचा था। उन्होंने कहा, हम रिटायरमेंट के बाद कोई सरकारी पद नहीं लेंगे। दोनों का कहना था कि सरकार और न्यायपालिका के बीच जरूरत से ज्यादा मेलजोल लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। यह बात मौजूदा सरकार के संदर्भ में ही नहीं, अब तक की सभी सरकारों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। सवाल समस्या का नहीं, समाधान का है। किसी एक निकाय में शक्तियों का केंद्रित होना लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। ऐसे मसलों में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को एकसाथ आना चाहिए। सुधारों की पहल न्यायपालिका के भीतर से भी आनी चाहिए। इसलिए सकारात्मक सुझावों को बढ़ावा देने की जरूरत है। राजनीतिक धरातल पर भी आम सहमति होनी चाहिए। आज की परिस्थिति में राजनीति जिस गलाकाट स्तर पर आ चुकी है, उसमें क्या ऐसा संभव है? हाल के वर्षों में भ्रष्टाचार से जुड़े कुछ मामलों में न्यायिक सक्रियता के कारण ही कार्रवाई हो पाई। इतना ही नहीं चुनाव सुधार से जुड़े अनेक कानून केवल सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही लागू हो पाए। **(साभार: यह लेखक के अपने विचार हैं।)**

# अब विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

■ योगेन्द्र योगी

बेरोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं। बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस

विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडगढ़ के किले में स्थित %पद्मावती% महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरुआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही।

कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनूस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताते हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समरोह मनाए जाने को बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत इतिहास के साथ छेडछाड की जा रही है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर होने को लेकर अदालतों में मामले दायर किए गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक पूजा स्थल अधिनियम की वैधता पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक देश में मंदिर-मस्जिद विवादों से जुड़े नए मुकदमे दर्ज नहीं किए जा सकते, और न ही कोई चल रहा मामला सर्वेक्षण या अंतिम आदेश के साथ आगे बढ़ सकता है।

यह विवाद पूरी तरह थमा भी नहीं कि महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद पैदा हो गया। इस पर भाजपा और विपक्षी दलों ने आरोप-प्रत्यारोप लगा कर देश का माहौल गर्माने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। इसका परिणाम यह हुआ कि नागपुर में हिंसा भड़क उठी। इसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। आम लोगों को कर्फ्यू के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे विवादों की चपेट में अक्सर देश का मजदूर, गरीब और कामकाजी वर्ग आता है। इन विवादों की जड़ में आसान सत्ता की राजनीति की चाहत है। दरअसल नेताओं को पता है कि देश की बुनियादी समस्याओं का समाधान आसान नहीं है, जबकि ऐसे विवादों के जरिए लोगों को बरगला लाकर सत्ता आसानी से प्राप्त की जा सकती है। **(साभार: यह लेखक के विचार हैं।)**

> विनम्र बनो जितना जरुरी हो, बेवजह की विनम्रता दूसरों के अहम को बढ़ावा देती है।
> - अज्ञात

## आज का इतिहास

- 1561- अकबर ने मालवा की राजधानी 'सारंगपुर' पर हमला करके बाजबाहुदर को हरा दिया।
- 1857- कोलकाता के पास बैरकपुर छावनी में सिपाही मंगल पांडे ने पहली गोली चलाकर ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ विद्रोह का आगाज किया।
- 1867 - ब्रिटिश संसद ने कनाडा के गठन के लिए उत्तरी अमेरिका अधिनियम पारित किया।
- 1901 - ऑस्ट्रेलिया में पहली बार संघीय चुनाव हुआ।
- 1906 - अमेरिका में अधिक वेतन की मांग को लेकर पांच लाख खनिकों ने काम करना बंद कर दिया।
- 1932 - अमेरिका में जैक बेनी ने पहली बार रेडियो पर अपने कार्यक्रम की शुरुआत की।
- 1943- स्वतंत्रता सेनानी एवं नेता शहीद लक्ष्मण नायक को बरहामपुर की जेल में फांसी पर लटका दिया गया।
- 1951 - चीनी ने कोरिया में एक संघर्ष विराम के लिए मैकआर्थर के प्रस्ताव को खारिज कर दिया।
- 1954- भारतीय लोक प्रशासन संस्थान का उद्घाटन किया गया।
- 1967 - फ्रांस ने पहली बार अपनी परमाणु पनडुब्बी की शुरआत की।
- 1992- विशेषज्ञ समिति ने बिहार से झारखंड क्षेत्र के लिए एक स्वायत्त परिषद की सिफारिश की।
- 1999 - हिमालय की तलहटी में आये भूकंप में लगभग 87 लोगों की मौत हुई।
- 2004- बुल्गारिया, एस्टोनिया, लाटविया, लिथुआनिया, रोमानिया, स्लोवाकिया, और स्लोवेनिया नाटो के पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुए।
- 2004- आयरलैंड कार्यस्थलों पर धूम्रपान प्रतिबंधित करने वाला पहला देश बना।

## निशाना

### आग ना लगाओ !

-कृष्णेन्द्र राय

व्यर्थ की इन बातों को ।
मुद्दा ना बनाओ ।।
और भी हैं मुद्दे ।
उनको राह दिखाओ ।।
शांति और खुशहाली में ।
आग ना लगाओ ।।
क्या सही क्या ग़लत ।
जन जन तक पहुंचाओ ।।
तूल देने से बचो ।
बातें व्यर्थ वालीं ।।
बन रहा है कब से ।
पुलाव बस ख़याली ।।
हवा हवाई से केवल ।
है होता नुकसान ।।
देर हो रही होने में ।
पुनः विराजमान ।।

# दो दिन बाद चैत्र नवरात्रि पर्व : गज पर सवार होकर आएंगी माताराानी, लाएंगी खुशहाली

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्रि का आरंभ हर साल चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल प्रतिपदा तिथि 30 मार्च को पड़ रही है यानी कि दो दिन बाद इस साल चैत्र नवरात्रि पर कई शुभ योग बन रहे हैं। इस बार 4 राजयोग का संयोग रहने वाला है, साथ ही इस दिन सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग दोनों का शुभसंयोग रहेगा। चैत्र नवरात्रि को लेकर मंदिरों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। चैत्र नवरात्रि में मां के अलग-अलग नौ स्वरूपों का पूजन किया जाएगा।

पंडित गोपाल शास्त्री के

**मां के अलग अलग नौ स्वरूपों का होगा पूजन मंदिरों में तैयारियां प्रारंभ उपासना के नौ दिन भक्तों के लिए बेहद खास**

अनुसार नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा का जितना महत्व है उतना ही महत्व मां के आगमन और गमन की सवारी का भी है। इस वर्ष मां का आगमन और गमन दोनों ही शुभ संकेत दे रहे हैं। चैत्र नवरात्रि में माता रानी की सवारी हाथी यानी गज है। धर्म शास्त्रों के मुताबिक हाथी को शांति और समृद्धि का

प्रतीक माना गया है यह देश और देशवासियों के जीवन में शांति और समृद्धि लाएगी। 6 अप्रैल को रविवार के दिन नवरात्रि का समापन होगा। माताराानी हाथी पर प्रस्थान करेंगी। माता का हाथी पर सवार होकर प्रस्थान करना शुभ संकेत माना जाता है। सुख व सौभाग्य की वृद्धि करती है। इसका असर राष्ट्र पर भी होता है। राष्ट्र में सुख समृद्धि और मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। इस चैत्र नवरात्रि चतुर्थी तिथि का क्षय हो रहा है। सभी 8 दिन मां देवी को समर्पित है

**कलश एवं जवारा स्थापना मुहूर्त**

प्रात: 6.13 से प्रात: 10.37 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त 11.41 से 12.50 बजे तक
दोपहर 12.28 से दोपहर 2.18 बजे तक

## 8 दिनों की होगी नवरात्रि

इस बार नवरात्रि 8 दिनों की होगी। इसमें 2 सर्वार्थ सिद्धि, 2 रवि योग, दो अमृत सिद्धि योग और रविपुष्य का संयोग बन रहा है। नवरात्रि के अंतिम दिन रामनवमी पर रविपुष्य योग का महासंयोग बन रहा है। चैत्र नवरात्रि का आरंभ 30 मार्च से हो रहा है। इस दिन रविवार है और इस बार चैत्र नवरात्रि का आरंभ ग्रहों की महापंचायत से हो रहा है। दरअसल 30 मार्च को जिस दिन चैत्र नवरात्रि का आरंभ हो रहा है, उसी दिन से हिन्दू नववर्ष भी शुरू हो रहा है और इस अवसर पर मीन राशि में 3 ग्रहों का संयोग हो रहा है। मीन राशि में बुध के साथ सूर्य, राहु ग्रह साथ होंगे। ज्योतिषीय दृष्टि से ग्रहों का यह संयोग बहुत ही अच्छा माना जा रहा है। ऐसे में इस योग से शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी। देश की अर्थव्यवस्था में भी तेजी आएगी। धन, सुख-सुविधा, मान-सम्मान की प्राप्ति होगी

## घटस्थापना की पूजा विधि

मिट्टी को चौड़े मुंह वाले बर्तन में रखें और उसमें जवा बोएं। अब उसके ऊपर कलश में जल भरें और उसके ऊपरी भाग में कलावा बांधें। आम या अशोक के पत्तों को कलश के ऊपर रखें। नारियल में कलावा लपेटे। उसके बाद नारियल को लाल कपड़े में लपेटकर कलश के ऊपर और पत्तों के मध्य रखें। घटस्थापना पूरी होने के बाद मां दुर्गा जी का आह्वान करें

### राज्य स्तरीय ओलंपियाड में अच्छा प्रदर्शन करने वालों को मिला तोहफा

# उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को कलेक्टर ने किया सम्मानित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. जिले के 32 छात्रों ने हाल ही में आयोजित राज्य स्तरीय ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जबकि छात्र उदय नागले ने विज्ञान प्रदर्शनी में राज्य स्तरीय प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन छात्रों को कलेक्टर सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में कलेक्टर सोनिया मीना और मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना समन्वयक डॉ. राजेश जायसवाल ने किया। कलेक्टर सुश्री मीना ने छात्रों और उनके पालकों के बीच समन्वय के महत्व को रेखांकित किया और शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने बच्चों के आत्मविश्वास और निर्भीकता की सराहना करते हुए ओलंपियाड को ओलंपिक खेलों के समान महत्वपूर्ण बताया।

सहायक परियोजना समन्वयक प्रभारी अकादमिक प्रदीप चौहान ने ओलंपियाड के तीन स्तरों की जानकारी दी, जिसमें कक्षा 2 और 3 के लिए हिंदी, अंग्रेजी, गणित; कक्षा 4 और 5 के लिए हिंदी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण; और कक्षा 6 से 8 के लिए हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान,

संस्कृत विषय शामिल थे। जिले स्तर पर प्रत्येक कक्षा और विषय से एक-एक विद्यार्थी का चयन राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए किया गया था।

डॉ. राजेश जायसवाल ने बताया कि 20,775 बच्चों ने जन शिक्षा केंद्र पर प्रतिभाग किया, जिनमें से 3,570 छात्र विकासखंड स्तर पर थे। अंततः जिले स्तर पर 32 होनहार छात्रों का चयन हुआ। उन्होंने खुशी व्यक्त की, कि इनमें से ज्यादातर बच्चे पहली बार कलेक्ट्रेट नर्मदापुरम आए हैं.

कार्यक्रम के दौरान विज्ञान प्रदर्शनी एवं ओलंपियाड में जीतने वाले बच्चों से कलेक्टर ने कहा कि आप सभी बच्चों ने अपने अपने शिक्षकों माता-पिता, स्कूल, समाज तथा समस्त जिले को सभी को गौरवान्वित किया है। आप सभी पर हम सबको गर्व है। कलेक्टर ने कहा कि कि हम सभी को विश्वास है कि आप सभी भविष्य में भी इसी तरह जिले का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने बच्चों से कहा कि सभी बच्चे खूब खेलें तथा खूब पढ़े लेकिन पढ़ाई मनोरंजन तथा खेलकूद सभी का समय निर्धारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समय आप सभी के लिए भविष्य निर्माण की दृष्टि से बहुत ही बहुमूल्य है। कलेक्टर ने कहा कि मैं आशा करती हूं कि सभी बच्चे आगे जीवन में हर प्रकार की परीक्षाओं में अव्वल स्थान प्राप्त करें।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बच्चों की इस उपलब्धि के लिए उनके शिक्षकों को भी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह सब शिक्षकों की मेहनत का ही प्रतिफल है, शिक्षकों के ही कारण बच्चों का शैक्षणिक तथा व्यक्तित्व विकास होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की उपलब्धि पर इस प्रकार प्रोत्साहन देने से उनका मनोबल भी बढ़ता है इसलिए ऐसी गतिविधियां की जाती रहनी चाहिए।

कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों के साथ ही बच्चों के अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चों में अच्छे संस्कार अंकुरित कर उनको सिंचित करने की जवाबदारी उनके माता पिता की ही होती है, मां-बाप ही होते हैं जो अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अपना तन-मन-धन सब कुछ लगा देते है।

जिले की विभिन्न शासकीय शालाओं के कक्षा 2 से लेकर कक्षा आठवीं तक कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था जिनमें से 7 विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय के राज्य स्तरीय ओलिंपियाड में हिस्सा लिया।

## ग्राम भैरोपुर में गणगौर उत्सव की रहेगी 9 दिनों तक धूम

सिवनी मालवा। ग्राम भेरूपुर में पटवारें गुर्जर परिवार की और से नौ दिवसीय गणगौर उत्सव का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा जिसमें हजारों भक्त माता गणगौर के

दर्शन करने आ रहे हैं। ऐसी मान्यता है की माता गणगौर का साक्षात चमत्कार है जिसे भक्त श्रद्धा भाव से माता को नमन करके मन की इच्छा मैया के सामने बोल देता है तत्काल मैया पूरी कर देती है। नौ दिवस माता का नव रूप अलग-अलग भक्तों को देखने को मिलता है माता गणगौर की भक्ति एवं सेवा करना बहुत कठिन है आयोजक करता का पूरा परिवार श्रद्धा भाव प्रेम से 9 दिन तक माता की सेवा में लगे रहते हैं। रोजाना सुबह से माता की पूजा अर्चना होती है दोपहर 12 बजे माता बहने मां के पंडाल में पाती खेलती है संध्या समय भक्तों को भोजन प्रसादी एवं बाहर से पधारे हुए मंडल द्वारा मैया जी के पंडाल में प्रस्तुतियां झालरिया दिए जाते हैं। आयोजक कर्ता संतोष पटवारे ने बताया की माता के इस 9 दिन के कार्यक्रम में बहुत दूर-दूर से भक्त आते हैं माता बहने बच्चे एवं नागरिक बंधु मां की आस्था के प्रति भक्तों को आज तक किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं होती है।

## भागवत कथा से पहले निकाली कलश यात्रा

गंजबासौदा। पशुपतिनाथ महादेव मंदिर प्रांगण में होने वाली भागवत कथा के पहले कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा शीतला माता मंदिर से कथा स्थल तक निकाली गई। जिसमें महिलाएं सिर पर कलश रखकर चल रहीं थीं तो वहीं यजमान भागवत जी सिर पर रखकर कलश यात्रा के साथ चल रहे थे। नागरिक कलश यात्रा का जगह जगह फूल बरसा कर स्वागत कर रहे थे। श्रद्धालुओं में बड़ा ही आनंद देखने को मिला फूलों की बरसात नृत्य गायन इत्यादि के साथ बड़े आनंद के साथ कथा मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल तक पहुंची। भागवत कथा वाचक आचार्य पंडित विकास एलिया ने कहा कि कलश में समस्त देवों का वास होता है। सिर पर कलश रखने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा पवित्र व निर्मल होती है। ऐसे भक्तों पर भगवान की विशेष कृपा होती है। कलश यात्रा में तीनों देव ब्रम्हा, विष्णु, महेश के साथ 33 कोटि देवी देवता स्वयं कलश में विराजमान होते हैं।

## 8 हजार रूपए की बकाया राषि पर बिजली कम्पनी ने दो चक्की जप्त की

तेंदूखेड़ा। विजली वितरण केंद्र तेंदूखेड़ा के अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा लगातार विजली के बकाया विलो की राषि बसूल करने के लिए कुर्की की कार्यवाही लगातार की जा रही है। गुरूवार को ग्राम खामखेड़ा सांगा फीडर के तहत दो बकायादारो का 38 हजार विल बाकी होने पर दो चक्की की मोटर सहित जप्त कर कुर्की की कार्यवाही की गई है। कार्यवाही के दौरान एई एमएफ अंसारी, सुधीर पेटरियां, गोपाल लोधी, राजा बाबू ठाकुर, दयाराम यादव के स्टाफ मौजूद रहा है।

## उप संचालक स्वास्थ्य द्वारा जिला एवं इटारसी अस्पताल का निरीक्षण किया गया

नर्मदापुरम। गुरुवार को उप संचालक स्वास्थ्य मप्र भोपाल डॉ हेमेंद्र सिंह कदम द्वारा जिला अस्पताल नर्मदापुरम एवं सिविल अस्पताल इटारसी का निरीक्षण किया गया। डॉ कदम द्वारा जिले में चल रहे एनसीडी निरोगी काया अभियान की प्रगति को देखा गया। जिला अस्पताल की ओपीडी कक्ष, लेबर रूम, मेटरनिटी वार्ड, ओटी कक्ष, एनआरसी, चाइल्ड वार्ड, ट्रामा सेंटर सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण कर विभाग द्वारा मरीजों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी मरीजों से चर्चा कर प्राप्त की। जिला अस्पताल के निरीक्षण उपरांत सिविल अस्पताल इटारसी का भ्रमण कर मरीजों की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं, राष्ट्रीय कार्यक्रमों योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई।

## पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम : नर्मदापुरम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संपन्न

नर्मदापुरम. महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार नर्मदापुरम जिले की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण भी, पढ़ाई भी अभियान के अंतर्गत तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में नर्मदापुरम ग्रामीण एवं शहरी परियोजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण होटल रॉयल वाटिका, नर्मदापुरम में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में दो बैच के माध्यम से शहरी एवं ग्रामीण परियोजना की कुल 200 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। द्वितीय बैच का प्रशिक्षण भी 27 से 29 मार्च तक इसी स्थान पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य कर रही हैं, जिनमें शहरी परियोजना की श्रीमती आशा भदौरिया, आस्था शिवहरे, चंद्रकिरण डोले एवं ग्रामीण परियोजना की श्रीमती सरोज कमलपुरिया, रेखा चौरे, कविता गौड़, छवि यादव, और राजकुमारी मामोरिया शामिल हैं।

# उद्यानिकी विभाग द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमिनार एवं प्रदर्शनी का आयोजन सम्पन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के घटक मिशन प्रबंधन अंतर्गत लगभग पांच सौ कृषकों का दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमीनार एवं प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 26 एवं 27 मार्च 2025 को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम में किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 26 मार्च 2025 को अजीत मंडलोई सभापति जिला कृषि स्थायी समिति जिला पंचायत नर्मदापुरम, सुधीर पटेल प्रतिनिधि अध्यक्ष जिला पंचायत नर्मदापुरम एवं अनिल दुबे उपाध्यक्ष किसान मोर्चा जिला नर्मदापुरम के द्वारा किया गया। उप संचालक उद्यान द्वारा जिले में संचालित विभागीय योजनाओं सब्जी, मसाला, पुष्प, फल, माइक्रो इरीगेशन, PMFME आदि के बारे में

विस्तार से जानकारी दी गई। जिला स्तरीय सेमिनार के प्रथम दिवस में कृषि महाविद्यालय पवारखेड़ा के वैज्ञानिक डॉ. विजय अग्रवाल, कृषि विज्ञान केन्द्र बनखेड़ी से वैज्ञानिक बृजेश नामदेव, प्रगतिशील कृषक रमेश चन्द्र मेहरा, प्रमोद दुबे, जिला रिसोर्स पर्सन सुमन्त निवारे, ऋतुराज भाटी, सुश्री विजयलक्ष्मी, के द्वारा उपस्थित कृषकों को हाईटेक हॉर्टिकल्चर, जैविक खेती, पॉलीहाउस में सब्जी/फूल उत्पादन, प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना जिसमें जिले के कृषको, उद्यमी एवं स्व सहायता समूहों को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत प्रसंस्करण इकाई की स्थापना संबंधी प्रशिक्षण एवं योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, अनुदान सहायता इत्यादि के संबंध में जानकारी दी गई।

जिला स्तरीय सेमिनार के द्वितीय दिवस 27 मार्च 2025 में कृषि महाविद्यालय पवारखेड़ा के वैज्ञानिक डॉ. आशीष शर्मा, कृषि विज्ञान केंद्र बनखेड़ी से वैज्ञानिक श्रीमती आकांक्षा पाण्डे द्वारा मशरूम उत्पादन, प्रगतिशील कृषक सुशील भार्गव सोहागपुर के द्वारा औषधीय फसल अश्वगंधा की उन्नत खेती, मृत्युंजय राय के द्वारा मधुमक्खी पालन, प्रतीक शर्मा द्वारा जैविक खेती, प्रमोद दुबे द्वारा चिया सीड्स की खेती, जिला रिसोर्स पर्सन श्री संजय तिवारी द्वारा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना आदि के बारे मे कृषकों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई, जिला स्तरीय कार्यक्रम संचालन श्रीमती आरती चौरे एवं सुश्री विजय लक्ष्मी बलवर्डे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उद्यानिकी विभाग के समस्त अधिकारी/कर्मचारी, उद्योग विभाग, आजीविका मिशन के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कृषकों को प्रमाण वितरण कर किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती रीता उईके उप संचालक उद्यान नर्मदापुरम द्वारा किया गया

## अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवार घायल

तेंदूखेड़ा! गुरुवार की शाम तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर स्थित गुरैया नदी के समीप अंधे मोड़ पर बाइक सवार हादसे के शिकार हो गए जिन्हें गंभीर हालत में 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां से दोनों की हालत गंभीर होने के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किए जाने का घटनाक्रम सामने आया है घटनाक्रम के संबंध में मिली जानकारी अनुसार तेन्दूखेड़ा मुख्यालय से तीन किमी दूर तारादेही मार्ग पर चौराई और बांदीपुरा के बीच स्थित गुरैया नदी के पास अंधे मोड़ पर अज्ञात वाहन टक्कर मारते हुए मौके से भाग निकला जहां बाइक सवार घायल अवस्था में घटनास्थल पर पड़े रहे वहां से गुजर रहे राहगीरों द्वारा घटना की सूचना डायल 100 और 108 वाहन को दी गई जहां घायलों को उठाकर इलाज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जबलपुर रेफर कर दिया।

**मेट्रो एंकर** अनुसूचित जाति, जनजाति की संभाग स्तरीय सतर्कता सलाहकार एवं निगरानी समिति की बैठक

# अब जाति प्रमाण पत्र के अभाव में प्रकरण दर्ज होने से वंचित नहीं रहेगा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जाति प्रमाण पत्र के अभाव में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के पीड़ित व्यक्तियों के प्रकरण थानो में दर्ज होने से वंचित न रहे। थानों से जाति प्रमाण पत्र कोर्ट में प्राथमिकता से समय रहते प्रस्तुत किए जाएं। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के पीड़ित व्यक्तियों को थानों से क्षतिपूर्ति राशि समय पर प्रदान कर दी जाए। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभाग स्तरीय सतर्कता सलाहकार एवं निगरानी समिति की बैठक में दिए। बैठक में पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी आशीष खरे, पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गुरु करण सिंह, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजान सिंह रावत, अपर कलेक्टर डीके सिंह, उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जेपी यादव, जिला लोक अभियोजन अधिकारी राजकुमार नेमा, उपस्थित थे। बैतूल कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

कमिश्नर ने बैठक में निर्देश दिए

की जिला स्तरीय सतर्कता सलाहकार एवं निगरानी समिति की बैठक प्रत्येक त्रैमास में आयोजित की जाए, साथ ही खंड स्तरीय उप समितियां भी नियमित रूप से आयोजित की जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की जिन जिलों में समिति का गठन नहीं हुआ है वहां सदस्य सचिव की नियुक्ति की जाए एवं सदस्य सचिव का दायित्व होगा कि वह नियमित रूप से बैठक आयोजित कराए। उपायुक्त जनजाति कार्य विभाग जेपी यादव ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत नर्मदापुरम जिले में 51 प्रकरण दर्ज किए गए थे जिनमें 27 प्रकरणों में कोर्ट में चालान प्रस्तुत किया गया है। 14 प्रकरण 7 दिन से ऊपर के हैं। बैतूल में 162 प्रकरण दर्ज है जिनमे 41 प्रकरण विवेचना में है। 17 प्रकरण में चालान होना शेष है। हरदा में 23 प्रकरण दर्ज हैं जिनमें दो प्रकरणों में चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। कमिश्नर श्री तिवारी ने सबसे पुराने प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। बताया गया कि हरदा जिले में 27 नवंबर 2024 का, नर्मदापुरम जिले में 11 मई 2024 एवं बैतूल में 29 सितंबर 2023 का प्रकरण सबसे पुराना है, जिनमें थानों से चालान पुट अप नहीं हुए है।

कमिश्नर ने निर्देश दिए की हरदा बैतूल एवं नर्मदा पुरम जिले में दर्ज प्रकरण की विवेचना अनावश्यक रूप से लंबे ना रहे। निर्धारित समय सीमा में विवेचना पूर्ण की जाए। जाति प्रमाण पत्र के अभाव में लंबित प्रकरणों में पुलिस एवं राजस्व अधिकारी आपसी समन्वय से जाति प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करें, जिससे कार्रवाई कर प्रकरणों का निराकरण किया जा सके। कमिश्नर ने निर्देश दिए की अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के पीड़ित व्यक्तियों को राहत राशि के भुगतान में भी अनावश्यक विलंब ना किया जाए। समय सीमा में पीड़ितों को राहत राशि प्रदान कर दी जाए।गवाह एवं पीड़ितों को विवेचना के दौरान बुलाए जाने पर या उन्हें रोके जाने पर पुनर्वास सुविधा थाने से क्षतिपूर्ति की राशि का भुगतान उन्हें प्राथमिकता से किया जाए। आवंटन के अभाव में आवंटन की मांग शासन से की जाए। जनजाति कार्य विभाग के सभी सहायक आयुक्त यह सुनिश्चित करें कि गवाहों को दैनिक भत्ता व यात्रा भत्ता का भुगतान समय पर किया जा सके।

# महामाई दरबार में बरसे राजस्थान के घूमर,कालबेलिया नृत्य के रंगों की बिखरी छटा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

क्षेत्र की आराध्य महामाई माता के दरबार में चैत्र नवरात्रि उत्सव के तहत बुधवार की रात्रि में राजस्थान की लोक कला के मनमोहक नजारे देखने को मिले। जैसलमेर के कलाकारों ने राजस्थानी गीतों पर लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दीं कार्यक्रम की शुरुआत देवी भजन से प्रारंभ हुई कलाकारों ने कालबेलिया, घूमर, भवाई, बंजारा, गोहाई, होली,नृत्य सहित एक दर्जन से अधिक आनंदित प्रस्तुतियां दी पंद्रह दिवसीय मेले में लोक संस्कृति के कार्यक्रम देखने के लिए शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं पहुंच रहे हैं।

### कलाकारों का दल देश में ही नहीं विदेशों में भी दे चुके हे प्रस्तुति

साथ वर्ष से अधिक आयु के अप्पानाथ कालबेलिया के नेतृत्व में महामाई के दरबार में प्रस्तुति देने पहुंचे टीम के मुखिया ने बताया कि लोक कला एवं नृत्य का दल देशभर के विभिन्न इलाकों के साथ जापान, इंडोनेशिया, स्विट्जरलैंड, इटली,पाकिस्तान सहित अनेक

देशों में अपनी कला संस्कृति का प्रदर्शन कर चुके हैं। करीब दौ सौ से अधिक विदेश यात्रा कर चुके हैं। बारह सदस्यीय उनकी टीम में साज बाज तथा गायन करने वाले के अलावा उनके परिवार की छह बेटियां शामिल हैं जो राजस्थानी भाषा भूषा में सजधजकर राजस्थान के लोक नृत्य प्रस्तुत करती हैं। देश में कांग्रेस की सरकार के दौरान वह इटली में कांग्रेस की राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी के पिता के यहां भी अपना कार्यक्रम कर चुके हैं। साठ साल से अधिक पुराने उनके दल को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर सम्मानित भी किया जा चुका है। दिल्ली संगीत नाट्य एकेडमी के सहयोग से उनके दल को आकाशवाणी में ए ग्रेट का दर्जा मिला हुआ हैं। अप्पानाथ ने बताया कि वह अपने बचपन से पिता गोरेलाल कालबेलिया जो सपेरा जाति से संबंध रखते हैं के साथ कार्यकमों में जाते थे । उनके बाद वह अब राजस्थान की लोक कला का मंचन कर उसे आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। वह साल भर में करीब साथ से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुतियां देते हैं।

### आज होगा बुंदेली गीत, बधाई एवं नौरता नृत्य

महामाई मंदिर के प्रांगण में आयोजित हो रहे लोकोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में आज शुक्रवार शाम को बुंदेलखंड का प्रसिद्ध बुंदेली गीत,बधाई एवं नौरता नृत्य कार्यक्रम आयोजित होगा। महामाई सेवा समिति द्वारा आयोजन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

## 31 मार्च से पहले बकायादारों से राशि वसूलने बिजली विभाग की कवायद शुरु

# बकायदारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई, 8 करोड़ रुपए बकाया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

मार्च क्लोजिंग से बकाया राशि वसूलने के प्रतिदिन 80 से 100 कनेक्शन काटने का काम बिजली वितरण कंपनी द्वारा किया जा रहा है है। इसके चलते बकायेदार उपभोक्ताओं की परेशानियां भी बड़ी हुई है कंपनी के अधिकारियों के द्वारा खड़े होकर कनेक्शन कटवाने का काम किया जा रहा है। शेष राशि जमा होने के बाद ही काटे हुए कनेक्शन पुनः चालू किए जा रहे हैं। जब तक राशि नहीं जमा होती तब तक किसी के भी कनेक्शन को चालू नहीं कर रहे हैं इस वजह से उपभोक्ताओं की समस्याएं भी बढ़ी हुई राजनीति भी नहीं चल रही है। बिजली वितरण कंपनी का बैसे तो 8 करोड रुपए बकाया है। इनको 5 करोड रुपए की राशि 31 मार्च से पहले वसूलना है इस वजह से इनकी भी परेशानियां बड़ी गर्मी के दौर में एयर कंडीशन छोड़कर अधिकारी इस इस समय फील्ड में दौड़ रहे हैं ज्यादा से ज्यादा बकाया राशि जमा करवाने में लगे हुए है। क्योंकि लक्ष्य पूर्ण नहीं होने पर वेतन रोकने की कार्रवाई भी इनके ऊपर हो सकती है इससे बचने के लिए और अधिक जोर इनके द्वारा लगाया जा रहा है बकाया राशि जमा करने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं सम जायज भी देते हैं जो तैयार नहीं होता है फिर

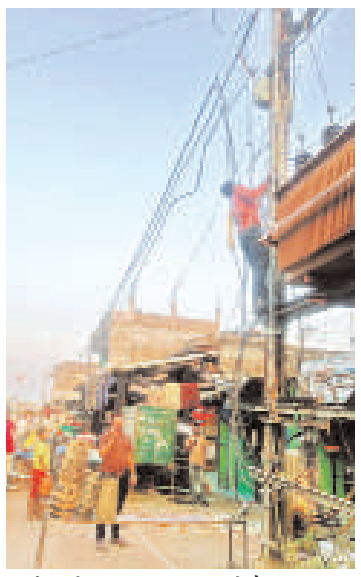

उनके कनेक्शन काट दिए जाते हैं। कुछ दिनों से बिजली वितरण कंपनी से मिले लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दिन-रात इनके द्वारा काम किया जा रहा है। प्रतिदिन अधिकारी इनकी मॉनिटरिंग हो रही है। हर हाल में मार्च के महीने बिजली वितरण कंपनी के द्वारा बकाया राशि वसूलने के लिए विशेष अभियान प्रारंभ किया गया इसके चलते प्रतिदिन 80 से लेकर 100 उपभोक्ताओं कनेक्शन विच्छेद करने की कार्रवाई बिजली वितरण कंपनी के अधिकारी और लाईनमैनों के द्वारा की जा रही है। बकाया राशि जमा होने के बाद ही कनेक्शन प्रारंभ कर रहे हैं 31 मार्च से पहले बिजली वितरण कंपनी की बकाया राशि वसूलने के लिए पूरा जो लग रही है इसलिए सुबह से लेकर देर रात तक अधिकारी बकायादारों के पास पहुंचकर इस कार्रवाई को अंजाम दे रहे हैं । शहरी क्षेत्र में बिजली वितरण कंपनी का 8 करोड रुपए बकाया है जिसमें से 5 करोड़ लाख रुपये 31 मार्च से पहले बिजली वितरण कंपनी को जमा करना है।जिसमें से एक करोड़ 36 लख रुपए की राशि अभी तक जमा हो पाई है बाकी राशि को चार दिनों के अंदर वसूलना है इस वजह से तेजी से बड़े बकायादारों के कनेक्शन काटे जा रहे इसमें कमर्शियल ओर घरेलू उपभोक्ताओं पर ज्यादा राशि बाकी है । इसके अलावा स्कूलों और छात्रावासों पर भी तीन लाख रुपए की बकाया राशि वसूली है इनको भी 31 मार्च से पहले बकाया राशि जमा करने का नोटिस बिजली वितरण कंपनी के अधिकारियों ने दिया है। गर्मी के दौर में कनेक्शन काटने की जानकारी बिजली वितरण करने के अधिकारी तब दे रहे हैं जब उनके घर की लाइट गुल हो जाती है तीन दिनों से गर्मी बढ़ गई है इस वजह से और भी ज्यादा परेशानी हो रही है। मोटी रकम जमा नहीं करने वालों पर सबसे ज्यादा प्रेशर अधिकारी बना रहे हैं छोटी राशि वालों के पास लाइनमैन पहुंचकर उनको पहले राशि जमा करने के लिए सचेत करते हैं। इसके बाद भी राशि जमा नहीं होती है तो इनको चुपचाप से कनेक्शन काटने का काम लाइनमैन के द्वारा कर दिया जाता है। इसके बाद पहले तो राशि जमा करवाई जाती है फिर कनेक्शन विच्छेद को दोबारा चालू करने का शुल्क भी उपभोक्ताओं से लिया जा रहा है । 5 करोड़ के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी अमला एड़ी चोटी का जोर भी लगाना पड़ रहा है । अधिकारी और लाईनमैनों के पसीने भी छूट रहे हैं बचे हुए दिनों के अंदर 4 करोड रुपए की राशि वसूलना इसके लिए इन्हें कंपनी फरमान जारी कर दिया है उसे फरमान को धरातल पर पूरा करने के लिए बिजली वितरण कंपनी के एई सुशील समेले खुद इस काम को खड़े होकर कटवा रहे हैं। अकेले गुरुवार 80 कनेक्शन बकायदारों के कनेक्शन काटने काम काम किया इसके बाद लाइट गायब हुई तो बकायदार पैसों की व्यवस्था करके इनको चालू करवाने के लिए बिजली वितरण कंपनी के कार्यालय पहुंच रहे हैं।

# शिवराज रघुवंशी बने भाजपा महामंत्री, कार्यकर्ताओं में हर्ष

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भाजपा पथरिया मंडल की कार्यकारिणी घोषित हो गई है। इसमें शिवराज रघुवंशी को महामंत्री बनाया गया है। इसकी जानकारी लगते इनके समर्थकों में हर्ष का माहौल महामंत्री बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने इनका हार, पुष्प मालाओं एवं मिठाई खिलाकर स्वागत सम्मान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि भगत सिंह रघुवंशी, दीपक कुमार, राकेश सिंह, नरेंद्र, मोहित रघुवंशी, शिवम एवं दीपेश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। वही मंडल महामंत्री बनने पर शिवराज सिंह रघुवंशी का कहना है कि यह भारतीय जनता पार्टी ही है जिसमें हर कर्मठ कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का मौका मिलता है, मेरे जैसे एक छोटे से कार्यकर्ता को जिला अध्यक्ष महाराज सिंह दांगी, कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे एवं मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण रघुवंशी ने बड़ी जिम्मेदारी दी है, जिसे मैं ईमानदारी पूर्वक निभाऊंगा।

### कोषालय देयको में स्वीकृति एवं उप प्रमाणक सबवाउचर अनिवार्य रूप से ऑन लाइन संलग्न करें

सिरोंज ! विदिशा जिला कोषालय अधिकारी रूपेन्द्र सिंह मरावी ने जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को पत्र प्रेषित कर सूचित किया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 समाप्ति की ओर है। आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा ऑन लाइन देयको को प्रेषित किए जाने की शीघ्रता के कारण तकनीकी एवं सैद्धांतिक त्रुटियां परलिक्षित हो रही है। जिसके कारण कोष एवं लेखा संचालनालय तथा महालेखा ग्वालियर के लेखा निरीक्षण दल (ऑडिट) द्वारा आपत्तियां दर्ज की जा रही है।

## किसानों की जमीन को असिंचित करने वाले पटवारी पर की जाएगी कड़ी करवाई: एसडीएम

**सिरोंज।** लापरवाही से काम करने वाले पटवारी पर बड़ी कार्रवाई की होगी। एसडीएम ने सिंचित भूमि को असंचित करने पर हल्का पटवारी को नोटिस दिया है।हल्का का पटवारी ने अपने काम को लापरवाही से करतें हुए 201 हेक्टर भूमि को असिंचित कर दिया इस वजह से किसान समर्थन मूल्य पर उनकी लापरवाही करण आदि फसली बेंच पाएंगे इसकी जानकारी लगते ही किसानों ने लापरवाही करने वाले पटवारी पर कड़ी कर्रवाई की मांग को लेकर एक दिन पहले एसडीएम को आवेदन देकर सिंचित भूमि को फिर से रिकॉर्ड सिंचित भूमि दर्ज करवाने की मांग करते हुए कहा कि हमारी जमीन तो सिंचित है पर पटवारी ने लापरवाही करते हुए इस काम को अंजाम दिया है उसके खिलाफ कार्रवाई करके सुधार करवाया जाए करवाया जाए हमारे फसलें समर्थन मूल्य पर सिंचित भूमि के हिसाब तोली जाए गिरदावरी के समय पटवारी की लापरवाही के कारण सिंचित भूमि असंचित के रूप में दर्ज की गई है। वहीं लापरवाही सामने आने पर किसानों से जुड़े मामले को एसडीएम ने गंभीरता से लेते हो पटवारी को नोटिस देकर 24 घंटे के अंदर जवाब देने का समय दिया साथ ही उक्त भूमि को फिर से रिकॉर्ड में सिंचित करवाने के लिए एसडीएम ने प्रतिवेदन बनकर कलेक्टर को भेजा है। जिससे कि इन किसानों की जमीन फिर से सिंचित के रूप में दर्ज हो सके दूसरी ओर किसान के काम में लापरवाही पटवारी के लिए महंगी पड़ेगी एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताएं कि किसानों के काम में की गई लापरवाही को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे नोटिस का जवाब मिलने के बाद संबंधित पटवारी पर ठोस कार्रवाई की जाएगी किसानों की जमीन को रिकॉर्ड में सुधार के लिए प्रतिवेदन कलेक्टर को भेज दिया है !

# दो दिवसीय कृषि विज्ञान मेला का समापन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा सिरोंज विकासखण्ड के ग्राम वीरपुर स्थित महामाई मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का आज गुरुवार को समापन हुआ। कृषि मेले में दोनो दिवस वृहद संख्या में पूरे जिले के कृषकों ने भाग लिया।

मेले के द्वितीय दिवस पर गुरुवार को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा धनराज सिंह दांगी सभापति, कृषि स्थायी समिति जिला विदिशा ने शासन की विभिन्न योजनाओं जैसे शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण , स्वाईल हेल्थ कार्ड , प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि के बारे में कृषकों को अवगत कराया तथा कृषकों से आव्हान किया कि वे कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से सतत् संपर्क बनाये रखें, ताकि नवीन तकनीकी ज्ञान मिलता रहे। कृषकों से रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक खेती करने के लिए भी आगृह किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से आये भोपाल संभाग के संयुक्त संचालक कृषि श्री बी.एल.बिलैया ने अपने उद्बोधन में मिलेट यानी कि ''श्रीअन्न'' खाद्यान्न जैसे कि रागी, ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी आदि के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मानव जीवन में इनके महत्व के बारे में बताया। उन्होने बताया कि मिलेट अन्न के उपयोग से मानव जीवन को उत्तम पोषण प्राप्त होता है जिससे शरीर स्वस्थ तथा रोग मुक्त होता है जिससे अस्पताल एवं दवाईयों पर निर्भरता कम होती है और पैसों की बचत होती है। अतरू कृषक भाई मिलेट फसलों का भी उत्पादन करें। अंर्तराष्ट्रीय बाजार में इसकी अच्छी मांग है।

उक्त दो दिवसीय मेले में विभिन्न विभागों एवं कृषि आदान विक्रेताओं तथा मिलेट संबंधी कार्य करने वाली संस्थाओं के लगभग 28 प्रदर्शनी, स्टॉल लगाये गये थे जिनका जिले के समस्त विकासखण्डो से आये लगभग चार हजार कृषकों ने अवलोकन किया। एग्रीकल्चर बिजनेस डव्लपमेंट कॉपरेटिव सोसायटी (एबीडीसी) भोपाल के द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में मिलेट अर्थात श्रीअन्न अनाज से बनी आइस्क्रीम रखी गई थी जिसका कृषकों एवं जनप्रतिनिधियों ने लुफ्त उठाया।

कृषि महाविद्यालय गंजबासौदा से आये कृषि वैज्ञानिक डॉ. वीके गर्ग, डॉ. सतीश शर्मा, डॉ. आराधना कुमारी , डॉ. सीमा चैहान ने कृषकों से चर्चा करते हुये कृषि के विभिन्न पहलू जैसे कीट व्याधि , सिंचाई प्रबंधन , उद्यानिकी नर्सरी मेनेजमेंट , बीजोपचार आदि विषयों पर कृषकों से चर्चा की साथ ही उन्नतशील कृषक लखनलाल पाठक एवं लक्ष्मण सिंह ने भी कृषकों से अपने अनुभव साझा किये तथा बताया कि दवा छिडकाव से पहले कौन - कौन सी दवा मिलाई जा सकती हैं। उसी अनुसार दवा मिलाकर छिडकाव करें अन्यथा की स्थिति में किसान भाईयों को बहुत नुकसान उठाना पडता है। उन्होंने कहा कि कृषक भाई कृषिगत फसलों के साथ -साथ औषधी फसलों की खेती भी करें। उपस्थित कृषकों द्वारा कृषि वैज्ञानिकों तथा उन्नतशील कृषकों से तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त किया एवं अपनी कृषि संबंधी समस्याओं का निराकरण किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इस सफल आयोजन की प्रंशसा की। उक्त मेले में कृषि विभाग के समस्त मैदानी अमले के साथ-साथ उप संचालक कृषि केएस खपेडिया, सहायक संचालक कृषि महेन्द्र कुमार ठाकुर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आरके शर्मा, रितेश परमार, वीरेन्द्र मालवीय, एएस कौरव, ओपी तिवारी, आशीष आर्य, कृषि विकास अधिकारी हरिहरसिंह राजपूत, बीटीएम दिनेश अहिरवार, एटीएम अशोक रघुवंशी, नरेन्द्र रघुवंशी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रामलखन शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में समस्त अतिथियों, अधिकारियों तथा पत्रकारों का आभार प्रदर्शन महेन्द्र कुमार ठाकुर, सहायक संचालक कृषि द्वारा किया गया।

### 25 कृषकों को किया गया पुरूस्कृत

आज मेले के द्वितीय दिवस में कृषकों के लिए कृषि संबंधी प्रश्नोतरी कार्यक्रम भी किया गया जिसमें सही जबाव देने वाले 25 कृषको को उपहार दिये गये। पुरूस्कार पाने वाले कृषकों में ग्राम पाली के श्री लखनलाल पाठक, ग्राम गोपालपुर के श्री लक्ष्मण सिंह, ग्राम बाढ़ेर के श्री शिवेन्द्र सिंह एवं ग्राम मुरवास के श्री आशीष जैन आदि प्रमुख रहे।

**मेट्रो एंकर** 100 दिवसीय निश्चय शिविर अभियान अवधि में 644 टीबी के पॉजिटिव मरीज मिले, जिले में कुल 183 ग्राम पंचायत टीबी मुक्त हुई

# सौ दिवसीय निश्चय शिविर अभियान संपन्न, जिले में लक्ष्य से अधिक जांच हुई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत योजना अंतर्गत विदिशा जिले में सात दिसंबर से 24 मार्च 2025 तक सौ दिवसीय निश्चय शिविर अभियान का क्रियान्वयन किया गया था। इस अभियान में टीबी के संभावित मरीजों को चिन्हित कर उनकी जांच कर टीबी की बीमारी के खतरा, लक्षण एवं बचाव के उपाय बताना। टीबी पॉजिटिव पाए जाने पर उनका उचित निःशुल्क उपचार करना था।

राज्य स्तर से विदिशा जिले को टीबी मरीजों की जांच हेतु विकासखंड वार लक्ष्य निर्धारित किया गया था। विकासखंड बासोदा में 49976, ग्यारसपुर 19817, कुरवाई 31333, लटेरी 41839, नटेरन 49048, सिरोंज 36444, विदिशा 75098 इस प्रकार जिले का कुल 303555 लक्ष्य निर्धारित किया गया था।

**610 मरीजों को पौष्टिक आहार से भरपूर फूड बास्केट उपलब्ध कराईं**

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में सभी विकास खंडों में जिले के जिला क्षय

अधिकारी के समन्वय से समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा अपने अपने ब्लॉक में माइक्रो प्लान तैयार कर अभियान का शुभ व्यवस्थित रूप से क्रियान्वयन किया गया और लक्ष्य के विरुद्ध जो जांच की गई हैं उनमें विकासखंड बासोदा में 50188, ग्यारसपुर 19837, कुरवाई 30995, लटेरी 42576, नटेरन 50912, सिरोंज 38626, विदिशा 86299 ईस प्रकार कुल 319433 जो कि निर्धारित लक्ष्य का 105 प्रतिशत है। अभियान अवधि में जांच किए गए संभावित मरीजों में जो मरीज पॉजिटिव पाए गए उनमें बासोदा में 143, ग्यारसपुर 46, कुरवाई 79, लटेरी 63, नटेरन 73, सिरोंज 77, विदिशा 163, इस प्रकार सम्पूर्ण विदिशा जिले में कुल अभियान के दौरान कुल 644 मरीज टीबी पॉजिटिव पाए गए हैं, जिनका निशुल्क उपचार किया जा रहा है।

ब्लॉक बार जिन मरीजों को फूड बास्केट उपलब्ध कराई गई उनमें विकासखंड बासौदा में 139, ग्यारसपुर 40, कुरवाई 75, लटेरी 57, नटेरन 70, सिरोंज 73, विदिशा में 156 मरीजों को इस प्रकार विदिशा जिले में कुल 610 मरीजों को पौष्टिक आहार से भरपूर फूड बास्केट उपलब्ध कराई गई हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी ने सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पॉजिटिव सभी मरीजों की सतत निगरानी करते हुए निरंतर प्रोटोकॉल अनुसार संपूर्ण इलाज कराया जाए ताकि जिले को टीबी मुक्त कराया जाकर टीबी मुक्त भारत अभियान सफल बनाएं।

सीएमएचओ तिवारी ने बताया कि अब तक जिले में कुल 183 ग्राम पंचायत टी बी मुक्त हो चुकी हैं जिनमें गंज बासौदा ब्लॉक की 36, ग्यारसपुर 24, कुरवाई की 18, लटेरी 10, नटेरन की 27, सिरोंज की 36 और विदिशा विकासखंड की 32 ग्राम पंचायत शामिल हैं जो टी बी मुक्त हो चुकी है !

# ला लीगा: टूर्नामेंट में 25वीं जीत संग टॉप पर

## बेलिंगहम के गोल से रियाल मैड्रिड ने बार्सिलोना को हराया

**मैड्रिड, एजेंसी**

इंग्लैंड के 20 वर्षीय खिलाड़ी जूड बेलिंगहम के इंजुरी टाइम में किए गए गोल से रियाल मैड्रिड ने जीत का सिलसिला कायम रखते हुए ला लीगा मुकाबले में बार्सिलोना को 3-2 से शिकस्त दी। इसके साथ ही रियाल मैड्रिड खिताब जीतने के करीब पहुंच गई है। उसके 32 मैचों में 25 जीत से 81 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज बर्सिलोना ( 70 ) से 11 अंक आगे है। बार्सिलोना ने 32 मैचों में 21 जीते और चार हारे हैं। 28 मैचों से अजेय रियाल मैड्रिड की टीम 28 मैचों से अजेय है। इस दौरान टीम ने 22 मैच जीते और छह ड्रॉ खेले। रियाल के लिए विनिसियस जूनियर ने 18वें और लुकास वाजक्यूज ने 73वें मिनट में गोल ठोका। बार्सिलोना की ओर से आंद्रेस क्रिस्टनसेन ने छठे और फर्मिन लोपेज ने 69 मिनट में गोल किया।

### एम्बाप्पे की गैरमौजूदगी में चमके रामोस का युवा

पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच लीग-1 में अपना दबदबा कायम रखते हुए लियोन को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही पीएसजी लगातार छठी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गई है। पीएसजी ने 29 मैचों में 19 जीत दर्ज ल की है और वह 66 अंकों संग शीर्ष पर है। टीम ने इस टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ एक मैच हारा है और नौ मैच ड्रॉ खेले हैं। टूर्नामेंट में हालांकि अभी नौ मैच और खेले जाने हैं लेकिन पीएसजी दूसरे स्थान पर कायम मोनाको (55 अंक) से काफी आगे है। इस मैच में पीएसजी के स्टार खिलाड़ी किलिएन एम्बाप्पे मैदान पर नहीं उतरे। उनकी गैरमौजूदगी में पुर्तगाल के स्ट्राइकर गोंकालो रामोस ने चमक बिखेरी। रामोस ने 32वें और 42वें मिनट में दो गोल ठोके और टीम को 4-1 से बढ़त दिला दी। टीम के लिए लुकास बिरार्डो ने छठे मिनट में पीएसजी के लिए पहला गोल दागा। मैच की शुरुआत में लियोन को उस समय झटका लगा, जब उसके खिलाड़ी निमेंजा मैटिक ने आत्मघाती गोल कर दिया।

## आईपीएल में धोनी बनाम कोहली : 34 में से 22 मैच चेन्नई ने जीते

# आज चेपॉक की स्पिन फ्रेंडली पिच पर सीएसके-आरसीबी के बीच मुकाबला

**चेपॉक, एजेंसी**

इंडियन प्रीमियर लीग ( आईपीएल ) 2025 के 8वें मैच में आज चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना होगा। मैच चेन्नई के होम ग्राउंड एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। इस सीजन दोनों टीमों का यह दूसरा मैच होगा। चेन्नई ने अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस और बेंगलुरु ने कोलकाता नाइट राइडर्स को हराया था।

पिछले सीजन चेन्नई को हराकर बेंगलुरु प्लेऑफ में पहुंची थी। यह मुकाबला काफी शानदार रहा था। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दोनों टीमों के लिए करो या मरो वाला मुकाबला था। बेंगलुरु को अंतिम-4 में क्वालिफाई करने के लिए चेन्नई को कम से कम 18 रन से हराना था। वहीं चेन्नई 18 से कम रन के अंतर से हारने पर प्लेऑफ में अपनी



जगह बना लेती। अपने होम ग्राउंड पर ऋष्क्रने 27 रनों से जीत दर्ज कर अगले राउंड में जगह बनाई थी।

**हेड टु हेड में चेन्नई आगे :** हेड टु हेड में चेन्नई, बेंगलुरु पर भारी है। दोनों के बीच अब तक 34 आईपीएल मैच खेले गए हैं। इनमें से 22 मैच में चेन्नई और 11 में बेंगलुरु ने जीत दर्ज की। जबकि एक मैच का रिजल्ट नहीं निकल सका। वहीं, दोनों टीमें एमए चिदंबरम स्टेडियम में 9 बार भिड़ीं हैं, 8 में चेन्नई और महज 1 में बेंगलुरु को जीत मिली। यह जीत 2008 में आई थी।

**नूर सीएसके के टॉप विकेट टेकर :** चेन्नई ने पिछले मैच में मुंबई को हराया था। इस लो-स्कोरिंग मुकाबले में स्पिनर नूर अहमद ने 4 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। नूर के अलावा जडेजा और अश्विन स्पिन डिपार्टमेंट को बेहद मजबूत बना रहे हैं। बैटिंग में रचिन रवींद्र ने नाबाद 65 रन की पारी खेली थी।

**आरसीबी के दोनों ओपनर्स ने पिछले मैच में अर्धशतक लगाए थे :** आरसीबी के लिए पिछले मैच में दोनों ओपनर्स ने अर्धशतक लगाए थे। विराट कोहली ने नाबाद 59 और फिल सॉल्ट ने 56 रन बनाए थे। टीम में लियम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा और क्रुणाल पंड्या जैसे टी-20 स्पेशलिस्ट हैं। क्रुणाल पंड्या टीम के टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने पिछले मैच में च्यक्रके खिलाफ 3 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। वहीं अगर पिच की बात करें तो चिदंबरम स्टेडियम की पिच स्पिन-फ्रेंडली है। यहां बैटिंग करना थोड़ा मुश्किल है। यहां अब तक 86 आईपीएल मैच खेले गए। 49 मैच पहले बैटिंग करने वाली और 37 मैच चेज करने वाली टीमों ने जीते। यहां का हाईएस्ट टीम स्कोर 246/5 है, जो होम टीम चेन्नई सुपरकिंग्स ने 2010 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बनाया था।

# पैरा गेम्स:मप्र के टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने जीते तीन पदक

**नईदिल्ली, एजेंसी**

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का आयोजन दिल्ली में किया गया। दिल्ली में आयोजित इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के पैरा खिलाड़ियों ने टेबल टेनिस में शानदार प्रदर्शन कर 1 स्वर्ण 1 रजत और 1 कांस्य सहित 3 पदक अर्जित किये। प्रतियोगिता के अंतिम दिन टेबल टेनिस खेल में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी दिव्यानी वाल्हे ने पैरा टेबल टेनिस खेल में वूमेन क्लॉस 10 वर्ग 1 स्वर्ण एवं गजानन ने पुरूष क्लॉस -08 वर्ग में 1 रजत और हर्ष त्रिवेदी ने पैरा टेबल टेनिस के पुरूष क्लॉस 7 केटेगरी में 01 कांस्य पदक अपने नाम किये।

**अर्जित उपलब्धियों :** दिव्यानी वाल्हे ने वूमेन क्लॉस 10 केटेगरी के पैरा टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक, गजानन परमार ने पुरूष क्लॉस -08 केटेगरी के पैरा टेबल टेनिस में रजत पदक, हर्ष त्रिवेदी ने पुरूष क्लॉस -07 केटेगरी के पैरा टेबल टेनिस में कांस्य पदक, प्रदेश के खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी पदक विजेता पैरा खिलाड़ियों के इस साहसपूर्ण और शानदार खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुयें, बधाई दी है। उल्लखेनीय है कि वर्ष 2023 में आयोजित खेलो इण्डिया पैरा गेम्स में मध्यप्रदेश की टीम ने 03 स्वर्ण और 03 रजत पदक सहित 06 पदक अर्जित किये थे। इस वर्ष 2025 में म.प्र. के खिलाि?यों ने 03 स्वर्ण, 05 रजत और 03 कांस्य पदक के साथ कुल 11 पदक अर्जित किये हैं। वहीं भारत रावत ने एफ-33 केटेगरी की एथेलेटिक्स ( शॉटपुट ) में 01 स्वर्ण पदक, 2. भारत रावत ने एफ-33 केटेगरी की एथेलेटिक्स ( जेवलिन ) में 01 रजत पदक, 3. अर्पित शर्मा ने टी-36 केटेगरी की एथेलेटिक्स ( 100मी. ) में 01 रजत, 4. अर्पित शर्मा ने टी-36 केटेगरी की एथेलेटिक्स ( 400मी. ) में 01 स्वर्ण पदक, 5. सचिन साहू ने टी-36 केटेगरी की एथेलेटिक्स ( 400मी. ) में 01 कांस्य पदक जीता। 6. कोमल त्यागी ने एफ-11 केटेगरी की एथेलेटिक्स ( डिस्कस थ्रो ) में 01 कांस्य पदक जीता।

## कचरे के ढेर में मिले नवजात की मौत

**भोपाल।** निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित पीले क्वार्टर, प्राइमरी स्कूल के पास गत 22 मार्च शनिवार सुबह कचरे के ढेर में पड़े

मिले नवजात की इलाज के दौरान मौत हो गई। शनिवार को उसकी तबीयत सामान्य थी, लेकिन कचरे में पड़े होने के कारण संक्रमण के कारण उसकी हालत नाजुक होने लगी। संक्रमण होने के कारण नहीं बच सकी जान, ऑब्जर्वेशन में था मासूम उसे ऑब्जर्वेशन में रखा गया था और बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब दो बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बच्चे को फेंकने वाली मां की तलाश की जा रही है। बच्चे की मां की तलाश के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और इलाके की एएनएम से गर्भवति महिलाओं की जानकारी जुटाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि ड्राइवर मुश्ताक खान निजी वाहन चलाते हैं। शनिवार 22 मार्च की सुबह वह बीएमडब्ल्यू कार लेकर जा रहे थे। पीली क्वार्टर प्राथमिक शाला के पास उन्हें लघुशंका लगी और वह कचरे के ढेर की तरफ बढ़ने लगी। इसी बीच उन्हें कचरे के ढेर से बच्चे के रोने की आवाज आई। उन्होंने देखा तो कचरे के ढेर पर बच्चा बोरी में लिपटा हुआ था।

## जमीनी विवाद में सौतेली मां को बंधक बनाकर पीटा

**भोपाल।** बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित गांव सगौनी में जमीनी विवाद को लेकर बेटे ने अपनी पत्नी और बहन के साथ मिलकर

सौतेली मां के साथ मारपीट कर दी। आरोपियों ने उनसे कमरे में बंद कर मारपीट की थी। पुलिस ने सौतेली मां की शिकायत पर बेटा बहू और बेटी पर मारपीट समेत बंधक बनाने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि सीमा ठाकुर पति मदन सिंह ठाकुर (46) गांव सगौनी, बैरसिया में रहती हैं। मदन सिंह ठाकुर की सीमा दूसरी पत्नी है। मदन सिंह की पहली पत्नी के चार बच्चे हैं। तीन बेटियां और एक बेटा। सीमा ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि मदन सिंह की जमीन को लेकर बच्चों का विवाद चल रहा है। विवाद पर मदन सिंह जमीन का बंटवारा करने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने जमीन के दो हिस्से किए और बच्चों में बांटने की बात कही। एक हिस्सा सीमा के बेटे नमन के हिस्से में आ रहा है, जबकि दूसरा हिस्सा सूरज ठाकुर, गीता ठाकुर और उसकी दो अन्य बहनों के हिस्से में आ रहा है। इसी बात को लेकर सूरज का सीमा से विवाद हो गया। सूरज का कहना था कि जमीन के अलग अलग हिस्से हो और सभी बहन भाइयों को बराबर का हिस्सा मिले। जमीन के हिस्से की बात को लेकर घर में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर सूरज ने अपनी पत्नी गीता ठाकुर और बहन चंदा के साथ मिलकर सीमा को कमरे में बंधक बनाकर उससे मारपीट कर दी।

## फ्लाइट में व्यापारी की तबियत बिगड़ी तो करानी पड़ी इमरजेंसी लेंडिंग

**भोपाल।** दिल्ली से कुन्नौर, केरला की यात्रा कर रहें बुजुर्ग व्यापारी की इंडिगो फ्लाइट में तबीयत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने के कारण फ्लाइट की इमरजेंसी लेंडिंग करानी पड़ी। भोपाल एयरपोर्ट पर लेंडिंग के बाद व्यापारी को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची गांधी नगर पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। परिजन के भोपाल पहुंचने पर शव का पीएम कराया जाएगा। अनुमान है कि व्यापारी की मौत हार्ट अटैक से हुई है। जानकारी के अनुसार मूलत- केरल निवासी जयन सिप्पी (67) व्यवसायी थे। वे दिल्ली से कुन्नौर, केरल की यात्रा इंडिगो फ्लाइट कर रहे थे। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने के बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लेंडिंग कराई गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी मौत हो

### पुष्पक एक्सप्रेस में मुंबई के व्यापारी के हाथ से मोबाइल झपटा

# कई ट्रेनों में पर्स और बैग चोरी की घटनाएं टिकट काउंटर से मोबाइल कर दिया पार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

पुष्पक एक्सप्रेस से कानपुर से मुंबई की यात्रा कर रहे मुंबई के कारोबारी के हाथ से अज्ञात बदमाश ने मोबाइल छीन लिया। घटना भोपाल स्टेशन के आउटर की है, जब गाड़ी की गति काफी कम थी।

पटरी किनारे खड़े एक लडके ने फरियादी के हाथ से मोबाइल छीन लिया। फरियादी ने दादर स्टेशन पहुंचने पर प्रकरण दर्ज कराया था। जीआरपी दादर ने शून्य पर प्रकरण दर्ज कर डायरी जीआरपी भोपाल भेजी है।

पुलिस के मुताबिक चमड़ा बाजार रोड धारावी मुंबई निवासी अली मोहम्मद (35) सिलाई का काम करते हैं। विगत 15 मार्च को वह कानपुर स्टेशन से मुंबई आने के लिए पुष्पक एक्सप्रेस में सवार हुए थे। कानपुर से भोपाल रेलवे स्टेशन तक बोगी बी-1 में सीट क्रमांक 34 से सफर किया।

उसके बाद 16 मार्च को भोपाल स्टेशन से अली मोहम्मद ने मोटरमन साइट का जनरल बोगी से यात्रा शुरू की। भोपाल स्टेशन से गाड़ी छूटते ही वह

दरवाजे के बाजू में बैठकर फोन पर बात करने लगे। उस समय ट्रेन स्लो चल रही थी। इस बीच नीचे पटरी किनारे खड़े 20-22 साल के एक युवक ने अली के हाथ से मोबाइला छीन लिया।

फरियादी अली ने दादर रेलवे स्टेशन पहुंचकर रेलवे पुलिस थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। जीआरपी थाना दादर ने शून्य पर प्रकरण दर्ज कर डायरी जीआरपी थाना भोपाल भेजी है। यहां की रेलवे पुलिस ने असल पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी की खोजबीन शुरू कर दी है।

### लेडिज पर्स चोरी, नगदी समेत था 56 हजार का सामान

जीआपी भोपाल ने बताया कि अनिल निरंकारी पिता नारायणदास निरंकारी (54) पंडरीनाथ, जिला इंदौर में रहते हैं। उन्होंने जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि अपनी पत्नी नीलम निरंकारी के साथ जबलपुर से इंदौर की यात्रा कर रहे थे। उनका रिजर्वेशन था। यात्रा के दौरान उनकी पत्नी नीलम ने अपना पर्स साइड में रखा और सो गए। ट्रेन भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचने वाली थी। इससे दस मिनट पहले पत्नी की नींद खुली तो साइड में रखा पर्स नहीं था। पर्स में 40 हजार रुपए की दो सोने की दो अंगूठी, मोबाइल, 5 हजार रुपए की नगदी समेत 56 हजार रुपए का सामान था।

### इंदौर एक्सप्रेस में यात्री का बैग चोरी

गंजबासौदा जिला विदिशा निवासी राहुल अहिरवार ने जीआरपी भोपाल में शिकायत करते हुए बताया कि वह भोपाल-इंदोर एक्स के आगे के जनरल कोच में इंदौर से भोपाल कि यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान राहुल ने अपना पिट्ठु बैग कोच में बने हैंगर पर लटका दिया था, जबकि मोबाइल को चार्जिंग पाइंट में लगाया था। इसके बाद नींद लग गई। नींद खुली तो बैग और चार्जिंग में लगा मोबाइल नहीं था। कोच में तलाश करने के बाद भी कुछ पता नहीं चला। उस समय ट्रेन संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ से निकल रही थी।

पिट्ठु बैग में बैग में 25 हजार रुपए का मोबाइल और 35 हजार रुपए की नगदी थी। बदमाश बैग समेत उनका 60 हजार रुपए का सामान लेकर गया है।

### टिकट काउंटर पर जेबकटी, 60 हजार का आईफोन चोरी

भोपाल। राजधानी के मुख्य रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर टिकज ले रहे युवक की जेब से अज्ञात बदमाश ने आईफोन चुरा लिया। चोरी गए आईफोन की कीमत 60 हजार रुपए बताई जा रही है। जीआरपी ने युवक की शिकायत पर अज्ञात बदमाश पर चोरी का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस टिकट काउंटर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है।

जीआरपी के अनुसार शिवाजी नगर निवासी पिंकेश कौरव ने शिकायत करते हुए बताया कि भोपाल इंदोर इंटरसिटी से इंदौर जाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचा था। इस दौरान प्लेटफार्म नंबर 6 के टिकट काउंटर से टिकट खरीद रहा था। इसी बीच किसी ने पेंट की जेब में रखा मोबाइल चुरा लिया। पिंकेश ने आसपास खड़े अन्य लोगों से मोबाइल के बारे में पूछा, लेकिन किसी ने भी मोबाइल की जानकारी नहीं दी।

## दिल्ली पासिंग की कार से गांजे की तस्करी, दो तस्कर गिरफ्तार

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

क्राइम ब्रांच ने गोविंदपुरा सब्जी मंडी टीन शेड के पास से दिल्ली पासिंग की रेनो कार में बैठे दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से छह किलो गांजा जब्त किया है। आरोपी दिल्ली पासिंग की कार से उड़ीसा से भोपाल गांजा लेकर आते थे और उसे राजधानी और आसपास के जिलों में खपाते थे। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गांजे के बारे में पूछताछ की जा रही है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि सब्जी मंडी टीनशेड गोविंदपुरा भोपाल में दो युवक दिल्ली पासिंग की रेनो कंपनी की कार में बैठे हैं। उनके पास कार में गांजा रखा है और वह गांजा किसी को बेचने की फिराक में है। सूचना के बाद हरकत में आई क्राइम ब्रांच ने इलाके की घेराबंदी करते हुए कार सवार दोनों युवक को हिरासत में लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आदिल खान पिता स्व सुल्तान खान (27) राजीव नगर, मंडलोई, सबोली जिला नॉर्थ ईस्ट दिल्ली और अय्युब मलिक पिता शफी मलिक (40) हुसैनपुर कला तहसील बुड़हाना जिला मुजफ्फर नगर उत्तरप्रदेश बताया। कार के बारे में पूछने पर अय्युब ने बताया कि कार उसकी है। कार की तलाशी ली गई

तो डिग्गी में दो कार्टून मिले। कार्टून के अंदर दो पैकेट थे वह खाकी रंग के टेप से लिपटे थे। कार्टून को खोलकर देखा तो उसके अंदर 4 पैकेट मिले। पैकेट में कुल छह किलो गांजा था।

### जिला बदर का उल्लंघन करते बदमाश गिरफ्तार

**भोपाल।** निशातपुरा पुलिस ने जिला बदर का उल्लंघन कर रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। लगातार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने के कारण आरोपी के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। उसे चार महीने के लिए जिले और आसपास की सीमाओं से दूर रहने की हिदायत दी गई थी। बावजूद इसके आरोपी भोपाल में रह रहा था। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि अभिषेक उर्फ लक्की कुशवाह (22) शिव नगर, करोंद इलाके में घूम रहा हे। उसके खिलाफ आगामी 4 माह के लिए जिला बदर की कार्रवाई की गई। उसे भोपाल सहित सीहोर, राजगढ, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम जिले की सीमा से बाहर जाने के लिए निष्कासन आदेश जारी किया गया था। बावजूद आरोपी अभिषेक उर्फ लक्की कुशवाह इलाके में घूम रहा था।

## त्योहारों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस कमिश्नर ने ली बैठक

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

अपराधों की रोकथाम एवं आगामी त्यौहार नवरात्रि, रमजान एवं ईदद्दउलद्दफ़ितर के दौरान शान्ति व सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र द्वारा आज कमिश्नर कार्यालय सभागार में राजपत्रित अधिकारियो एवं थाना प्रभारियो की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में श्री मिश्र द्वारा जोनवार अपराधों की समीक्षा की गई द्य इस दौरान गुंडों बदमाशों के खिलाफ निरंतर अभियान चलाकर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही महिला संबंधी गंभीर अपराधों में आरोपी की त्वरित गिरफ्तारी करने तथा फरार वारंटी, आरोपियों को टीम बनाकर गिरफ्तार के लिए निर्देशित किया गयाद्य बैठक में आगामी त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने सुरक्षा व्यवस्था के इन्तेजामात करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

### ईद के त्योहार तक भारी वाहनों का कई रास्तों पर प्रवेश रहेगा बंद

**भोपाल।** आगामी 31 मार्च को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाना संभावित है। साथ ही रोजाना होने वाले रोजा अफ्तार के दौरान रात के समय पुराने भोपाल की आबादी वाले क्षेत्र और बाजारों में लोगों का आवागमन अधिक संख्या में हो रहा है। रात्रि में कोई दुर्घटना न हो इस बिंदु को ध्यान में रखते हुए ईद के त्योहार तक नीचे दिए मार्गों से भारी वाहनों का आवागमन शाम पांच बजे से रात एक बजे तक पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

**मेट्रो एंकर** शादी के छह साल बीतने के बाद भी दंपती की नहीं थी कोई संतान

## पत्नी ने ससुराल लौटने से किया इंकार पति ने खाया जहर

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव नगर में लोडिंग ऑटो चालक ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। दरअसल, दो महीने से उसकी पत्नी मायके में थी। वह पत्नी को ससुराल लौटने के लिए बार बार कह रहा था, लेकिन उसने ससुराल लौटने से मना कर दिया।

इससे दुखी होकर आटो चालक ने जहर खा लिया। पुलिस के अनुसार शिव नगर फेस थ्री छोला निवासी प्रेम साहू पिता गुलाब साहू (30) लोडिंग ऑटो चलाता था। करीब 6 साल पहले उसकी शादी रंजना से हुई थी।

उनकी कोई संतान नहीं है। संतान नहीं होने से साहू दंपति दुखी रहने लगे थे। विगत 14 जनवरी मकर संक्रांति के मौके पर प्रेम की पत्नी अपने मायके गई थी। वह मायके से ससुराल नहीं आ रही थी।

बुधवार को प्रेम अपनी मां के

साथ पत्नी को लेने उसके मायके गया। उसने पत्नी से साथ चलने का कहा, लेकिन उसने साथ जाने से मना कर दिया। पत्नी के बिना घर लौटा प्रेम साहू इस बात से दुखी था। बुधवार देर रात प्रेम अपना ऑटो लेकर घर लौटा, उसकी तबीयत ठीक नहीं थे।

उससे परिजन ने पूछताछ की तो उसने बताया कि जहर खा लिया है। परिजन उसे डीआईजी बंगला स्थित अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उसे हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। गुरुवार तड़के करीब सवा तीन बजे प्रेम की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

### शराब नहीं पिलाने पर छुरी से किया हमला

**भोपाल।** ऐशबाग इलाके में शराब नहीं पिलाने पर एक युवक पर बदमाश ने छुरी से हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाला शिव अग्रवाल मजदूरी करता है। गत दिवस दोपहर करीब साढ़े बारह बजे वह सुभाष नगर फाटक ब्रिज के नीचे छांव में सोया हुआ था। इसी दौरान अर्जुन नगर में रहने वाला बिलाल पहुंचा और शराब पिलाने की जिद करने लगा। शिव ने उसे शराब पिलाने से मना किया तो वह गाली-गलौज करने लगा। गाली देने से मना करने पर बिलाल उसके साथ मारपीट पर उतारू हो गया। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे, लेकिन उसके पहले बिलाल ने छुरी निकालकर उसके मुंह पर मार दी, जिससे खून निकलने लगा।

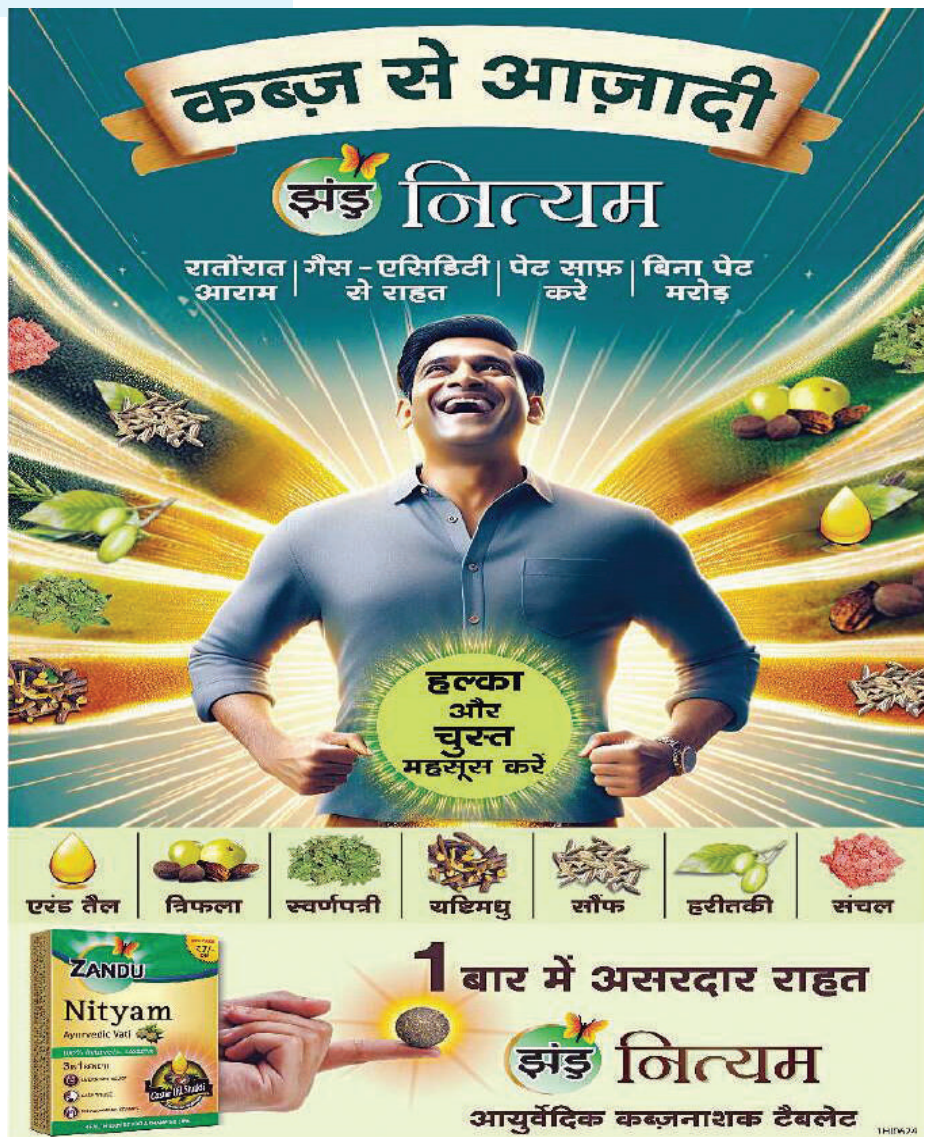


स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022